सब का सपना

निष्पक्ष व निडर-हिंदी दैनिक समाचार पत्र

चेपॉक में चेन्नई की लगातार पांचवीं हार, प्लेऑफ की दौड़ से बाहर; पंजाब दूसरे स्थान पर पहुंची -पेज 07

संजय दत्त की भूतनी मूवी में दिखेंगी मौनी रॉय -पेज 08

वर्ष-01 | अंक-27 | गुरुवार, 01 मई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 4 रुपए

सार समाचार

बंगाल के दीघा में भी जगन्नाथ धाम

कोलकाता। बंगाल को अब अपना जगन्नाथ धाम मिल गया है। बुधवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में समुद्र किनारे बसे शहर दीघा में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर का लोकार्पण किया। उन्होंने इसे 'भारत का गौरव' बताते हुए कहा-यह राज्य की संस्कृति व पर्यटन को भी नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। यह मंदिर केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण नहीं है। यह बंगाल की जनता के लिए आध्यात्मिक शक्ति व एकता का प्रतीक बनेगा। यह बंगाल की सांस्कृतिक विरासत का नया अध्याय है। यह दीघा को देश को प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित करेगा और आने वाले हजारों वर्षों तक लोगों का समागम स्थल बना रहेगा।' लोकार्पण से पहले मंदिर के गर्भगृह में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की मूर्तियों में विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई। पुरी जगन्नाथ मंदिर की तरह ही दीघा मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की मूर्तियां स्थापित की गई हैं, जिसे पत्थर से तराशा गया है। पुरी की तरह इन मूर्तियों के पीछे नीम की लकड़ी से बनी मूर्तियां भी हैं।

पीड़िता से दूसरी शादी को बचाव नहीं माना जा सकता

नई दिल्ली। मद्रास उच्च न्यायालय ने २१ वर्षीय एक व्यक्ति को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत 17 वर्षीय लड़की के साथ यौन संबंध बनाने के लिए दस साल के कारावास की सजा सुनाई, जो मुकदमे के दौरान उसकी पत्नी बन गई। हाई कोर्ट ने कड़े शब्दों में फैसला सुनाते हुए कहा कि पॉक्सो अधिनियम बहुत स्पष्ट है कि 18 वर्ष की आयु से पहले सहमति का कोई सवाल ही नहीं है। पीठ ने कहा कि पीड़िता के साथ आरोपी की बाद की शादी उसके बचपन में किए गए अपराध को माफ नहीं करती है। इस तरह के बचाव को स्वीकार करना पॉक्सो अधिनियम के मूल उद्देश्य को कमजोर करेगा। बताया जा रहा है कि लड़की और उसका पति पड़ोसी थे और दोनों एक दूसरे से प्यार करने लगे थे। जब लड़की के माता-पिता को इस रिश्ते के बारे में पता चला तो दोनों परिवारों के बीच झगड़ा शुरू हो गया।

पीएम मोदी से मिले सेनाध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और NSA अजीत डोभाल भी रहे मौजूद

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाफ रणनीति बना रहा है। पीएम मोदी की अगुआई में बुधवार शाम हाई लेवल मीटिंग हुई। इस मीटिंग में सेनाध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और NSA अजीत डोभाल भी मौजूद रहे।

इससे पहले मंगलवार को हुई हाई लेवल मीटिंग में पीएम मोदी ने कहा था कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प है। पीएम मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले के परिप्रेक्ष्य में कार्रवाई किए जाने के विकल्पों पर सैन्य नेतृत्व से चर्चा करते हुए कहा कि हमारी जवाबी कार्रवाई का तरीका क्या हो, इसके टार्गेट्स कौन से हों और इसका समय क्या हो, इस प्रकार के ऑपरेशनल निर्णय लेने के लिए सैन्य बलों को खुली छूट है।

पाक को घेरने की तैयारी में भारत, जयशंकर ने संभाला मोर्चा

एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैन्य बलों को पहलगाम में पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकियों पर कार्रवाई करने की खुली छूट दे दी है, तो दूसरी तरफ भारत ने वैश्विक समुदाय को अपनी बात समझाने की पहल भी तेज कर दी है। इस क्रम में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सात अस्थायी सदस्यों से टेलीफोन पर बात की है। ये देश हैं गुयाना, ग्रीस, स्लोवेनिया, पनामा, सोमालिया, सिएरा लियोन और अल्जीरिया। पाकिस्तान भी अभी यूएनएससी के दस अस्थायी सदस्यों में शामिल है और आशंका है कि भारत की तरफ से आतंकियों पर किसी तरह के सैन्य कार्रवाई होने की स्थिति में वह भारत के विरुद्ध प्रस्ताव ला सकता है। कूटनीतिक मोर्चेबंदी को आगे बढ़ाते हुए जयशंकर ने बुधवार को अपने कुवैती समकक्ष अब्दुल्ला अली अल-याह्या के साथ भी पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या से बात करके खुशी हुई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कुवैत की एकजुटता और समर्थन के लिए उनको धन्यवाद दिया।'' गौरतलब है कि भारत ने पिछले कुछ दिनों में दुनिया की विभिन्न देशों से संपर्क किया है और आतंकी हमले के ''सीमा पार'' संबंधों के बारे में उन्हें अवगत कराया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, जार्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय और इतालवी प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी सहित कई वैश्विक नेताओं ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन करके हमले की निंदा की थी। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके, डच प्रधानमंत्री डिक स्कोफ, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भी मोदी से बातचीत की है।

भारत की आक्रामक चाल से टेंशन में आया पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े एक्शन लिए है। इसके बाद पाकिस्तान की हेकड़ी निकलती हुई नजर आ रही है।

भारतीय हमले की आशंका से पाकिस्तान इस कदर घबराया हुआ है कि इसने बुधवार को सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए बुधवार को गिलगित, स्कार्दू और गुलाम जम्मू-कश्मीर के अन्य क्षेत्रों के लिए सभी उड़ानें रद कर दी।

एक अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा के बाद उत्तरी क्षेत्रों के लिए उड़ानें निलंबित करने का निर्णय लिया गया। विदेशी उड़ानों की भी कड़ी निगरानी शुरू की गई है, जिसमें भारत से आने वाली अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय हमले के डर से पाकिस्तान की हेकड़ी निकल चुकी है। पीएम नरेंद्र मोदी की मंगलवार को रक्षा मंत्री, एनएसए और देश के सैन्य प्रमुखों के साथ हुई बैठक से पाकिस्तान में हाहाकार मचा हुआ है। पिछले 24 घंटे में पाकिस्तान की सेना और राजनीतिक हलके से लेकर मीडिया तक की जो प्रतिक्रिया सामने आई है, उससे वहां की स्थिति का पता चल रहा है। हालत यह है कि मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात दो बजे सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने प्रेस कांफ्रेंस बुलाई और यह बताया कि उन्हें पक्की जानकारी है कि भारत अगले 24 से 36 घंटे के भीतर पाकिस्तान पर हमला करने वाला है।

तरार ने यह भी दुहाई दी कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार रहा है और उसने हमेशा इसके सभी रूपों की निंदा की है। तरार से पहले रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि अगर कुछ होगा तो दो-तीन दिनों के भीतर हो जाएगा। सरकार ने सीनेट की विशेष बैठक बुलाई, जिसमें न सिर्फ भारत के खिलाफ आग उगला गया, बल्कि अनर्गल आरोप भी लगाए गए।

जाति जनगणना पर बोले राहुल गांधी, सरकार को पूरा सपोर्ट

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जाति जनगणना के लिए पूरा समर्थन जताया। उन्होंने जनगणना की रूपरेखा तैयार करने और उसे लागू करने में सरकार की मदद करने के लिए कांग्रेस के समर्थन की भी पेशकश की। राहुल गांधी ने प्रेस वार्ता में कहा कि हमने संसद में कहा था कि हम जाति जनगणना करवाएंगे। हमने यह भी कहा था कि हम 50% की सीमा को खत्म करेंगे, जो कृत्रिम दीवार है, उसे खत्म करेंगे। नरेंद्र मोदी कहते थे कि सिर्फ़ 4 मामले हैं। पता नहीं क्या हुआ लेकिन अचानक 11 साल बाद जाति जनगणना की घोषणा कर दी गई। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम इसका पूरा समर्थन करते हैं लेकिन हम एक समयसीमा चाहते हैं। हम जानना चाहते हैं कि यह कब तक होगा। यह पहला कदम है। तेलंगाना जाति जनगणना में एक मॉडल बन गया है और यह एक खाका बन सकता है। हम जाति जनगणना की रूपरेखा तैयार करने में सरकार को अपना समर्थन देते हैं... दो उदाहरण हैं - बिहार और तेलंगाना और दोनों में बहुत अंतर है। उन्होंने आगे कहा कि मैं फिर से कहना चाहूँगा कि जाति जनगणना पहला कदम है। हमारा सपना जाति जनगणना के ज़रिए विकास की नई मिसाल कायम करना है। उन्होंने कहा कि सिर्फ़ आरक्षण ही नहीं, बल्कि हम केंद्रीय सवाल भी पूछ रहे हैं - चाहे वो ओबीसी हो, दलित हो, आदिवासी हो, इस देश में उनकी भागीदारी क्या है? जाति जनगणना से पता चल जाएगा, लेकिन हमें जाति जनगणना से आगे बढ़ना होगा...हमने एक और बात कही थी।

लोकतंत्र को मजबूत करेंगे जातीय आंकड़े : ब्रजेश पाठक

- डिप्टी सीएम ने प्रधानमंत्री का जताया आभार
- कहा, देश की राजनीति के लिए यह ऐतिहासिक क्षण

लखनऊ। देश में आगामी जनगणना के साथ जातीय गणना कराने के मुद्दे पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया यह फैसला देश की राजनीति में यह एक ऐतिहासिक क्षण है। यह सिर्फ एक निर्णय नहीं, बल्कि दशकों की उपेक्षा और अनदेखी का अंत है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि कांग्रेस सहित जो राजनीतिक दल वर्षों तक सत्ता में रहकर भी इस विषय पर मौन साधे रहे, उनके लिए यह एक करारा संदेश है। उन राजनीतिक दलों ने सिर्फ़ घोषणाओं और भाषणों में जातीय जनगणना की बात की, लेकिन आज प्रधानमंत्री ने इसे कर दिखाया।

जातीय आंकड़े लोकतंत्र को मजबूत करेंगे। नीति निर्माण को न्यायसंगत बनाएंगे और समावेशी विकास की राह को प्रशस्त करेंगे। इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए डिप्टी सीएम ने प्रधानमंत्री का आभार भी व्यक्त किया है।

जाति जनगणना कराएगी मोदी सरकार, कैबिनेट बैठक में लिया गया बड़ा फैसला

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने आज फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए। वैष्णव ने कहा कि कई राज्यों में की गई जाति जनगणना की कवायद अवैज्ञानिक है। एनडीए शासित बिहार सहित कई राज्य पहले ही जाति जनगणना के आंकड़े प्रकाशित कर चुके हैं।

वैष्णव ने कहा कि कांग्रेस सरकारें हमेशा से जाति जनगणना का विरोध करती रही हैं। 2010 में स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि जाति जनगणना के मामले पर मंत्रिमंडल में विचार किया जाना चाहिए। इस विषय पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया गया था। अधिकांश राजनीतिक दलों ने जाति जनगणना की सिफारिश की है। इसके बावजूद, कांग्रेस सरकार ने जाति सर्वेक्षण या जाति जनगणना कराने का फैसला किया।

उन्होंने कहा कि यह अच्छी तरह से समझा जा सकता है कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने जाति जनगणना को केवल एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण किए हैं। जबकि कुछ राज्यों ने यह काम अच्छे से किया है, वहीं कुछ अन्य ने केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से गैर-पारदर्शी तरीके से ऐसे सर्वेक्षण किए हैं। ऐसे सर्वेक्षणों से समाज में संदेह पैदा होता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि राजनीति से हमारा सामाजिक ताना-बाना खराब न हो, सर्वेक्षणों के बजाय जाति गणना को जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि चीनी सीजन 2025-26 के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य 355 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह बेंचमार्क मूल्य है, जिससे नीचे इसे नहीं खरीदा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शिलांग से सिलचर तक 22,864 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाले हाई-स्पीड कॉरिडोर राजमार्ग को मंजूरी दे दी है।

चिराग पासवान को बड़ी राहत, लोकसभा सदस्य के रूप में निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान के हाजीपुर लोकसभा सीट से निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी और कहा कि चूंकि चुनाव बिहार में हुए थे, इसलिए यह अधिकार क्षेत्र से बाहर है। न्यायमूर्ति अमित बंसल ने कहा कि चूंकि चुनाव बिहार में हुए थे, इसलिए उच्च न्यायालय के पास चुनाव याचिका पर निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। अदालत ने कहा, इसी के अनुसार, चुनाव याचिका को क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र की कमी के आधार पर खारिज किया जाता है। हालांकि, अदालत ने याचिकाकर्ता को अन्य कानूनी उपायों का लाभ उठाने की स्वतंत्रता दी। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि वह यौन उत्पीड़न की शिकार है, जो प्रिंस राज और उसके सहयोगियों, जिसमें उसका चचेरा भाई पासवान भी शामिल है, के 'आग्रह' पर किया गया था, जिन्होंने चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल करते समय इस 'आपराधिक पृष्ठभूमि' का खुलासा नहीं किया था। उन्होंने तर्क दिया कि आपराधिक मामलों के संबंध में झूठा हलफनामा दाखिल करना या हलफनामे में कोई जानकारी छिपाना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125ए का उल्लंघन है।

और इसके लिए छह महीने की कैद की सजा हो सकती है। भारत के चुनाव आयोग के वकील सिद्धांत कुमार ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार चुनाव याचिका दिल्ली में विचारणीय नहीं है, क्योंकि चुनाव बिहार में हुए थे।

शिक्षा क्रांति के नाम पर 2,000 करोड़ का घोटाला? मनीष सिसौदिया, सत्येन्द्र जैन के खिलाफ केस दर्ज

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और दिल्ली के पूर्व मंत्रियों मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ राजधानी भर के सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण से जुड़े एक बड़े कथित भ्रष्टाचार घोटाले के सिलसिले में मामला दर्ज किया है। एसीबी के अनुसार, करीब 2,000 करोड़ रुपये का यह घोटाला आप सरकार के कार्यकाल के दौरान 12,748 कक्षाओं और संबंधित इमारतों के निर्माण से जुड़ा है। भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 17-ए के तहत सक्षम प्राधिकारी से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद एसीबी ने मामला दर्ज किया। एजेंसी ने कहा कि पूरे प्रोजेक्ट में काफी अनियमितताएं और लागत में बढ़ोतरी देखी गई। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, निर्धारित समय सीमा के भीतर एक भी काम पूरा नहीं हुआ।₹ साथ ही कहा गया कि सलाहकारों और वास्तुकारों को उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना नियुक्त किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने यह भी कहा कि लागत में बढ़ोतरी कथित तौर पर इन अनियमित रूप से नियुक्त सलाहकारों के माध्यम से की गई, जिससे बजट और भी बढ़ गया।

यह मामला दिल्ली प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता हरीश खुराना, भाजपा विधायक और पूर्व आप मंत्री कपिल मिश्रा और दिल्ली में भाजपा के मीडिया रिलेशन विभाग के प्रमुख नीलकंठ बख्शी की शिकायतों के बाद शुरू किया गया था। उनकी शिकायतों में परियोजना में भ्रष्टाचार और बड़े पैमाने पर अधिक कीमत वसूलने का आरोप लगाया गया था, जिसके बाद एसीबी ने औपचारिक जांच शुरू की। ताजा मामला दोनों आप नेताओं के सामने आने वाली कानूनी चुनौतियों में इजाफा करता है। मनीष सिसोदिया पहले से ही हिरासत में हैं और दिल्ली आबकारी नीति मामले में आरोपों का सामना कर रहे हैं, जबकि सत्येंद्र जैन एक अलग मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच के दायरे में हैं। भाजपा ने आप की आलोचना तेज कर दी है, उस पर शिक्षा क्षेत्र में विफल होने का आरोप लगाया है, जिसे वह अक्सर एक मॉडल के रूप में पेश करती है।

पहलगाम हमले के बाद भारतीय नौसेना ने दिखाई समुद्री ताकत

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए सेनाओं को पूरी आजादी देने के बाद नौसेना ने युद्धपोतों की एक तस्वीर साझा की है। नौसेना ने ट्विटर पर तैनात युद्धपोतों की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ₹कोई भी मिशन दूर नहीं है, कोई भी समुद्र इतना विशाल नहीं है।₹ नौसेना ने हाल के दिनों में अरब सागर में भी अभ्यास किया था, जिसमें उसने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया था। नौसेना की तैयारियों में युद्धपोतों से मिसाइल परीक्षण भी शामिल था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में पिछले दिनों हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा बलों को जवाबी कार्रवाई के लिए पूरी स्वतंत्रता दे दी गई। पोस्ट में लिखा था, ₹समुद्री ताकत को बढ़ावा देना - कोई मिशन बहुत दूर नहीं, कोई समुद्र बहुत विशाल नहीं।₹ यह पोस्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान सशस्त्र बलों को पहलगाम हमले के जवाब में अपनी प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय को तय करने के लिए पूर्ण परिचालन स्वतंत्रता दिए जाने के एक दिन बाद डाली गई थी। यह संदेश प्रधानमंत्री द्वारा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के साथ उनके 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिया गया।

हरियाणा और पंजाब के बीच शुरू हुआ पानी को लेकर नया विवाद

नई दिल्ली। हरियाणा और पंजाब की सरकारों के बीच एख बार फिर से पानी को लेकर नया विवाद शुरू हो गया है। एक तब शुरू हुआ जब हरियाणा ने पड़ोसी राज्य से भाखड़ा बांध से पीने का पानी उपलब्ध कराने की अपील की, अन्यथा जलाशय का अतिरिक्त पानी पाकिस्तान चला जाएगा, लेकिन उसके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने पंजाब के समकक्ष भगवंत मान से भाखड़ा जलाशय को खाली करने की अपील की, जो अब निलंबित सिंधु जल संधि के तहत भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) द्वारा संचालित सबसे बड़े बांधों में से एक है। सैनी ने कहा कि हरियाणा को उसके हिस्से का पूरा पानी नहीं मिला है और अतिरिक्त पानी हरि-के-पट्टन के रास्ते पाकिस्तान जाएगा, जो न तो पंजाब और न ही हरियाणा के हित में है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इससे दिल्ली में पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। हालांकि, मान ने हरियाणा को और पानी देने से इनकार करते हुए कहा कि पड़ोसी राज्य ने पहले ही अपने आवंटित हिस्से का 103% इस्तेमाल कर लिया है और भाजपा पर हरियाणा की मांगों को पूरा करने के लिए पंजाब सरकार पर दबाव बनाने का आरोप लगाया। हरियाणा और पंजाब के बीच ताजा विवाद पहलगाम आतंकी हमले के बाद सामने आया है, जहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हरियाणा, पंजाब और राजस्थान अपनी जरूरतों को भाखड़ा और पोंग बांधों से पूरा करते हैं, जो सिंधु जल संधि का हिस्सा हैं। हालांकि, पहलगाम हमले के मद्देनजर संधि को निलंबित कर दिया गया था। सिंधु जल संधि रद्द होने के बाद, हरियाणा के सीएम सैनी ने पंजाब सरकार से अधिक पानी की आपूर्ति करने की अपील की, क्योंकि हरियाणा को केवल 4,000 क्यूसेक पीने का पानी मिला था, जो राज्य की कुल मांग का लगभग 60% है।

वन्य जीवों और पेड़ों के लिए अपनी जान पर खेलता बिश्नोई समाज

भारत में जब पर्यावरण संरक्षण की बात होती है, तो राजस्थान के बिश्नोई समाज का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है। सदियों से यह समाज पेड़-पौधों और वन्य जीवों के संरक्षण में अपनी जान तक न्यौछावर करता आया है। बिश्नोई समाज न केवल प्रकृति का रक्षक है, बल्कि वह उसे ईश्वर के रूप में पूजता भी है। राजस्थान के रेतीले धोरों में फैले इस समाज की जीवटता और प्रकृति प्रेम की मिसालें आज भी दिल को छू जाती हैं। बिश्नोई समाज की महिलाओं का हिरणों के प्रति प्रेम किसी भी मानवीय रिश्ते से कम नहीं है। यहां की महिलाएं अनाथ या घायल हिरण के बच्चों को अपने शिशु की तरह पालती हैं-उन्हें न सिर्फ अपने घर लाती हैं, बल्कि अपना दूध पिलाकर उनका पालन-पोषण करती हैं। यह दृश्य जितना अद्भुत लगता है, उतना ही हृदयस्पर्शी भी है। पांच सौ वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में, ममता और प्रकृति के बीच का अदृश्य रिश्ता हर दिन जीवित रहता है। यहां के बच्चे जानवरों के साथ बड़े होते हैं, खेलते हैं, सीखते हैं कि पेड़ और पशु उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। बिश्नोई समाज में हिरण को भगवान श्रीकृष्ण का अवतार माना जाता है। इसीलिए, यहां के लोग हिरणों को पूजते हैं और उनकी रक्षा को अपना धर्म समझते हैं। पर्यावरण आंदोलन के इतिहास में बिश्नोई समाज का योगदान अतुलनीय है। 1730 के दशक में, जोधपुर के राजा अभय सिंह ने अपने नए महल के निर्माण के लिए खेजड़ी के वृक्षों को काटने का आदेश दिया। जब सैनिक पेड़ों को काटने आए, तो खेजड़ली गांव की अमृता देवी बिश्नोई ने अपनी तीन बेटियों के साथ मिलकर पेड़ों से लिपटकर उनका बचाव किया। सैनिकों ने उनके प्राणों की भी परवाह नहीं की। देखते ही देखते, ३६३ बिश्नोई पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने वृक्षों की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। इस बलिदान ने भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी। अमृता देवी के नेतृत्व में हुआ यह बलिदान बाद के चिपको आंदोलन का भी प्रेरणास्रोत बना। आज भी भारत सरकार "अमृता देवी बिश्नोई वन्यजीव संरक्षण पुरस्कार" के माध्यम से इस महान विरासत को याद करती है। बिश्नोई समाज की जीवनशैली 'जाम्भोजी महाराज' द्वारा प्रतिपादित २९ नियमों पर आधारित है। 'बीस' और 'नौ' से मिलकर बना 'बिश्नोई' शब्द, इन नियमों के प्रति समाज की अटूट निष्ठा का परिचायक है। इन नियमों में शाकाहार, जीवों की रक्षा, पेड़ों की पूजा, पानी का संरक्षण और सरल जीवनशैली पर विशेष बल दिया गया है। बिश्नोई समाज का प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह पुरुष हो या महिला, इन आदर्शों को अपने जीवन का आधार बनाता है। समाज के भीतर ही नहीं, बिश्नोईयों ने अपने संगठनों के जरिये भी बड़े पैमाने पर संरक्षण का कार्य किया है। 'अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई महासभा' और 'बिश्नोई टाइगर फोर्स' जैसी संस्थाएं चौबीसों घंटे वन्यजीवों की रक्षा में लगी रहती हैं। शिकारियों को पकड़ना, कानूनी कार्यवाही कराना और आम लोगों में जागरुकता फैलाना-ये इनके नियमित कार्य हैं। आज जब दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण की बातें हो रही हैं, तब भी बिश्नोई समाज नारे नहीं, अपने कर्मों से उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। इनके लिए संरक्षण कोई अलग अभियान नहीं, बल्कि सांस लेने जैसा स्वाभाविक कार्य है। जहां आधुनिक सभ्यता के दबाव में मनुष्य और प्रकृति के बीच की दूरी बढ़ती जा रही है, वहीं बिश्नोई समाज यह सिखाता है कि इंसान प्रकृति का अभिन्न अंग है। उनके लिए पेड़

विचार

और पशु महज संसाधन नहीं हैं, बल्कि जीवन के साथी हैं। बिश्नोई समाज की माताएं जब हिरणों को अपने स्तनों से दूध पिलाती हैं, तब वह यह संदेश देती हैं कि ममता की कोई सीमा नहीं होती। पेड़ों से लिपटकर अपने प्राण देने वाले लोग यह सिखाते हैं कि जीवन केवल स्वयं के लिए नहीं, दूसरों के लिए भी जिया जा सकता है। आज जब वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, जैव विविधता खतरे में है और जलवायु परिवर्तन मानवता को चुनौती दे रहा है, तो हमें बिश्नोई समाज से सीख लेनी चाहिए। उनके जीवन में पेड़, पशु और प्रकृति केवल आदर के पात्र नहीं हैं, बल्कि पूज्य और परिवार का हिस्सा हैं। बिश्नोई समाज हमें बताता है कि यदि हम प्रकृति से प्रेम करेंगे, तो प्रकृति भी हमारी रक्षा करेगी। भारत के इस महान समाज को नमन, जो सच्चे अर्थों में धरती के संरक्षक हैं!

ऑडियोबुक्स व पॉडकास्ट ऐप्स में ही रह गई हैं कहानियां

बच्चे हों या बूढ़े, कहानियां सुनना सबको अच्छा लगता है। कहानियां सुनने के अनेक फायदे हैं। मसलन, कहानियाँ जहां एक ओर हमारी कल्पनाशीलता को विकसित करती हैं, वहीं दूसरी ओर कहानियां हमें नए विचार सीखने में भी बहुत मदद करती हैं। ये कहानियां ही होतीं हैं जो हमारी भावनाओं को भी समझने में बहुत ही सहायक व उपयोगी सिद्ध होतीं हैं। इतना ही नहीं , कहानियों से हमें हमारी सनातन संस्कृति, हमारे इतिहास और विभिन्न नैतिक मूल्यों की भी जानकारी मिलती है । सच तो यह है कि नैतिक कहानियाँ बच्चों को अच्छे और बुरे, सही-गलत, नैतिक-अनैतिक के बीच अंतर सिखाती हैं, जिससे वे अपने जीवन में सही निर्णय लेने में सक्षम हो पाते हैं।कहानियों से बच्चों में रचनात्मकता(क्रिएटीविटी) का तो विकास होता ही है, साथ ही साथ इनसे बच्चों का भाषा कौशल का विकास भी होता है। सांस्कृतिक और सामाजिक विकास में भी कहानियां योगदान देतीं हैं। इतना ही नहीं, कहानियाँ बच्चों को समस्याओं को पहचानने और उन्हें हल करने के तरीके सीखने में मदद करती हैं।ध्यान और एकाग्रता बढ़ाने में कहानियां मदद करती हैं, क्योंकि वे कहानी को ध्यान से सुनने और समझने में व्यस्त रहते हैं। कहानियों को सुनने से बच्चों का संज्ञानात्मक विकास (कोगनेटिव डेवलपमेंट) होता है तथा मनोरंजन तो कहानियों से होता ही है, लेकिन आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), इंटरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स का जमाना है। आज की संस्कृति मल्टीप्लेक्स और एंड्रॉयड मोबाइल फोन की संस्कृति हो गई है। इस संस्कृति से हमारे बच्चे **'ब्रेन राट'** का शिकार हो रहे हैं। स्क्रीन टाइम अधिक होने का प्रभाव हमारे बच्चों के मन-मस्तिष्क और शरीर पर पड़ रहा है। बच्चे आज चहारदीवारी में व्यस्त नजर आने लगे हैं और वे पहले की भांति न तो खेल के मैदानों में ही जाना चाहते हैं और न ही घर-परिवार के सदस्यों से आपसी संवाद और बातचीत ही करना चाहते हैं। हम आज इंटरनेट संस्कृति में इतने अधिक रम-बस चुके हैं कि अब पहले की भांति दादा-दादी, नाना-नानी व पारिवारिक सदस्यों से कहानियां नहीं सुनते हैं। आज समय भी नहीं बचा है किसी के पास, कहानियां सुनने-सुनाने का ।अब पहले की भांति बच्चे कहानियों में कल्पनाओं की सैर नहीं करते हैं, क्यों कि न तो सुनाने वालों को ही रूचि अब रही है और न ही सुनने वालों को। सच तो यह है कि आज कहानियां सुनने का अंदाज पूरी तरह से बदल चुका है ।दादी-नानी के मुंह से निकलकर कहानियां अब पॉडकास्ट तक पहुंच चुकीं हैं। पाठकों को बताता चलूं कि पॉडकास्ट एक डिजिटल ऑडियो कार्यक्रम होता है, जो आमतौर पर श्रृंखला के रूप में होता है और इसे इंटरनेट पर डाउनलोड या स्ट्रीम किया जा सकता है । वास्तव में यह एक लचीला माध्यम है, जिसमें कोई भी किसी भी विषय पर बात कर सकते हैं, अपनी कहानी सुना सकते हैं, या अन्य लोगों के साथ चर्चा कर सकते हैं, लेकिन इसमें वह बात नहीं है जो दादा-दादी, नाना-नानी की कहानियों में हुआ करती थी। तब बच्चे भावात्मक रूप से अपने पारिवारिक सदस्यों से जुड़ा करते थे, आज डिजिटल माध्यम हो गया है, जो बच्चों पर उतना प्रभाव नहीं छोड़ रहा, जितना प्रभाव (रचनात्मकता, भावात्मक, अभिव्यक्ति, भाषा शैली) आज से २५-३० साल पहले छोड़ता था। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि आज के समय में कहानियों का जादू बरकरार नहीं है, लेकिन समय के साथ कहानियों के सुनने-सुनाने के तरीकों में अभूतपूर्व बदलाव आ गये हैं। रेडियो का प्रयोग भी अब पहले की तुलना में काफी कम हो गया है, क्यों कि आधुनिक युग में मनोरंजन के अनेक साधनों का विकास हो चुका है। पहले रात के समय बच्चे बड़े चाव से खुले आसमान के बीच प्राकृतिक वातावरण में कहानियां सुना करते थे और उनका मन-मस्तिष्क और शरीर का विकास होता था। आज डिजिटल माध्यम से आंखों की समस्याएं, सिर दर्द, चिड़चिड़ापन की समस्याएं जन्म ले रहीं हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में लोककथाएं मोबाइल फोन और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पॉडकास्ट व ऑडियोबुक्स के रूप में चल रहीं हैं। दरअसल, तकनीक का प्रभाव आज हमारे बच्चों के मन-मस्तिष्क पर पड़ रहा है। आज बड़े-बुज़ुर्गों द्वारा नहीं बल्कि कहानियों को बच्चों द्वारा इयरफोन, पाडकास्ट, मोबाइल रेडियो आदि पर लगाकर सुना जा रहा हैं। पहले टीवी पर पंचतंत्र, विभिन्न लोककथाएं, जातक कथाएं और वीर रस की गाथाएं सुनने देखने को मिल जातीं थीं, लेकिन आजकल बच्चों को कार्टून, विडियो गेम्स, एंड्रॉयड, इंटरनेट से ही फुर्सत नहीं है। आज के समय में कहानियां ऑडियोबुक्स व पॉडकास्ट ऐप्स की लाइब्रेरी में विभिन्न ऑडिबल प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद हैं। आज आंगन भी पहले की तरह खुले नहीं रहे, शहरीकरण और रोजगार के कारण बच्चों के माता-पिता भी आज गांवों से शहरों की ओर रूख करने लगे हैं। सच तो यह है कि आज के समय में गांव-घर के आंगन से बाहर निकलकर कहानियां ऑनलाइन नए अंदाज में सुनी जा रही हैं।

जीएसटी का रास्ता आसान बनाने की जरूरत

देश में आर्थिक उदारीकरण के बाद जो सबसे बड़ा सुधार हुआ, वह था 'वन नेशन वन टैक्स' का फैसला। इसके तहत ही जीएसटी की नींव रखी गई। कई सरकारों से गुजरता हुआ यह अंत में जीएसटी के रूप में पहली जुलाई 2017 को संसद में पारित हुआ और इसे टैक्स वसूली और कारोबारियों को राहत देने की दिशा में एक गेम चेंजर माना गया। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इस पर बहुत काम किया और उम्मीद जताई कि यह टैक्स भरने में एक सुगम व्यवस्था बन जाएगा। लेकिन शुरुआत बहुत बुरी हुई और पहले तो इसका वेबसाइट बार-बार क्रैश करने लगा और फिर बहुत से कॉलम भी आसानी से भरे नहीं जा रहे थे। इन तकनीकी समस्याओं से जूझते हुए भी इस सुधार को आगे बढ़ाया गया। लेकिन इसमें तरह-तरह की अड़चनें आने लगीं जिसका अंत अब तक होता नहीं दिख रहा है। कारोबारियों को बताया गया था कि यह आसान व्यवस्था होगी और उनके लिए टैक्स भरना पहले से भी आसान होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कई तरह की समस्याएं आती रहीं और कई तरह की विसंगतियां भी। लेकिन पूर्ण समाधान होता नहीं दिख रहा है।

दरअसल जीएसटी को सुचारू रूप से लागू करने के लिए एक जीएसटी काउंसिल बनाई गई थी और वह अभी भी इसका काम देखती है। भारत सरकार के वित्त विभाग के अंतर्गत यह नहीं है, सिवा इसके कि केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसकी अध्यक्षता करती हैं। उन्हें अपने बूते किसी भी तरह का फैसला करने का अधिकार नहीं है। वहां जो भी फैसले होते हैं, वे सभी बहुमत से होते हैं, यानी सभी राज्यों के चुने प्रतिनिधियों जो सामान्य रूप से वित्त मंत्री होते हैं। यह इस काउंसिल का लोकतांत्रिक स्वरूप जताता है, लेकिन यह कई बड़े फैसले न ले पाने का कारण भी बनता है। वित्त मंत्री की बहुत इच्छा रही है कि पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में शामिल किया जाए, ताकि इसके दाम भी पूरे देश में लगभग एक समान हों, लेकिन कई सदस्य इसे होने नहीं दे रहे हैं। वे अपने राज्य के हित में चलते हुए ऐसा नहीं होने देते। जब भी किसी राज्य को अपना राजस्व बढ़ाना होता है, वह तुरंत ही पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा देता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है कर्नाटक, जहां इनकी कीमतें सबसे ज्यादा हैं। अगर इस पर जीएसटी लगा होता तो ऐसा संभव नहीं था।

यह तो हुई जनता की परेशानी। अब आते हैं कारोबारियों-व्यापारियों पर जो अब तक जीएसटी भुगतान में सहज नहीं हो पा रहे हैं। इसमें कई तरह की विसंगतियां हैं, मसलन दो तरह के सामान जो मिलकर एक उत्पाद होते हैं, उन पर अलग-अलग टैक्स दरें हैं। यह कारोबारी के लिए एक परेशानी है। अगर हम भारत के एक पॉपुलर स्नैक बन मस्का को देखें तो पाएंगे कि बन पर टैक्स की दर अलग है और मस्का यानी मक्खन पर अलग। अब व्यापारी किस दर से टैक्स लेगा ? रेस्तरां में रोटी पर कम टैक्स है तो परांठे पर ज्यादा। बिना एसी वाले रेस्तरां के लिए अलग दर है तो एसी वाले के लिए अलग। खुले सामान पर कोई टैक्स नहीं है, लेकिन पैकेट में आते ही उस पर टैक्स लगेगा। ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं जो जीएसटी की विसंगतियां बताते हैं। इसके अलावा कई सेवाओं पर 18 फीसदी का भारी भरकम टैक्स भी है। एक ओर तो सरकार जनता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जाहिर करती है, तो दूसरी ओर काउंसिल ने हेल्थ इंश्योरेंस पर 18 फीसदी जीएसटी लगा रखा है। व्यापारियों का कहना है कि दरों में विसंगति न हो और उन्हें तार्किक बनाया जाए। उनकी यह भी शिकायत है कि वे पूरे माह जीएसटी रिटर्न भरने में लगे रहते हैं, नहीं तो लाखों की देनदारी का नोटिस आ जाता है।

रेस्तरां के एसी या नॉन एसी होने से जीएसटी कैसे घट-बढ़ सकता है जबकि आज देश में निम्न आय वर्ग के लोग भी भीषण गर्मी की मार से बचने के लिए अपने घरों में एसी लगाते हैं। इस समय टैक्स के चार स्लैब हैं- 5, 12, 18 और 28 फीसदी। इन्हें घटाकर तीन स्लैब करना चाहिए। इन दरों को तर्कसंगत बनाने से वैधानिक मामले कम हो जाएंगे। साथ ही, जीएसटी की रिटर्न प्रणाली और इनपुट टैक्स क्रेडिट नीति में भी बदलाव की जरूरत है। जीएसटी लागू हुए 8 वर्ष हो गए, लेकिन इसके नियमों में हर महीने बदलाव होते रहते हैं जिससे व्यापारियों में भ्रम पैदा होता है। यह तो थी ग्राहकों और कारोबारियों की परेशानी। लेकिन सरकार की शिकायत है कि अभी भी जीएसटी की बड़े पैमाने पर चोरी हो रही है। कई राज्यों में भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से चोरी हो रही है। साल 2022-23 में देश में दो लाख करोड़ रुपए की टैक्स चोरी पकड़ी गई। पिछले पांच वर्षों में केन्द्रीय जीएसटी अधिकारियों ने टैक्स चोरी के 86717 मामलों का पता लगाया जिससे 6.79 लाख करोड़ रुपए की हेराफेरी का पता लगा।

जीएसटी के नियम बनाने में लंबे समय जुड़े रहे सुमित दत्त मजूमदार जो सीबीसीई के चेयरमैन भी रहे और जिन्होंने पी चिदंबरम तथा प्रणव मुखर्जी के साथ काम किया था, कहते हैं कि जीएसटी के नियमों को इतना सरल कर दिया जाना चाहिए कि छोटे से छोटे कारोबारी को भी यह आसानी से समझ में आ जाएं। टैक्सेशन सिर्फ राजस्व उगाही का माध्यम नहीं होना चाहिए, यह जनता के हित में होना चाहिए। जीएसटी को लागू हुए लगभग आठ साल होने वाले हैं। वहीं अब ई-वे बिल को भी मंजूरी मिल चुकी है। जीएसटी जैसा रिफॉर्म देश के लिए अब भी नया है। ऐसे मे कारोबारियों को अभी भी इसे पूरी तरह समझने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या को दूर करने के लिए बाजार में आज कई तरह के सॉफ्टवेयर मौजूद हैं जिसके जरिए कारोबारी आसानी से अपना जीएसटी रिटर्न समय से भर सकते हैं।

जीएसटी के नियम समझने के लिए अकाउंटिंग की अच्छी समझ होनी चाहिए और रिटर्न फाइल करने के लिए आपके पास कंप्यूटर का ज्ञान होना चाहिए, जो कि छोटे कारोबारियों में कम है, क्योंकि छोटे कारोबारियों को सारा काम खुद ही करना होता है। इसके अलावा नियम अगर आसान हों तो कोई भी कारोबारी बिना किसी अकाउंटिंग की जानकारी के जीएसटी को समझ सकता है। इसकी रिटर्न फाइलिंग भी आसान हो सकती है। जैसे कि इनवॉयस लैबल डिटेल की जगह पार्टी वाइज समरी अपलोड की जा सके। साथ ही एचएसएन कोड पर बहुत ज्यादा जोर नही होना चाहिए। वहीं रिपोर्टिंग एचएसएन के अनुसार न होकर टैक्स रेट के अनुसार ही हो सकती है। इसके अलावा आरसीएम को और आसान बनाया जा सकता है जैसा कि यूएई समेत कुछ देशों में है। अगर इस तरह के बदलाव हो सकें तो निश्चित तौर पर जीएसटी देश के लिए वरदान साबित हो सकता है।

पाक के खिलाफ कूटनीतिक एवं रणनीतिक दबाव जरूरी

पाकिस्तान की पहचान एक ऐसे देश के रूप में है जो कमजोर है, असफल है, कर्ज में डूबा है, अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करने में नाकाम है, आतंक की नर्सरी एवं प्रयोगशाला है, ढहती अर्थव्यवस्था है, इन बड़ी नाकामियों को ढ़कने के लिये ही वह कश्मीर का राग अलापता रहा है, वहां के नेता एवं सैन्य अधिकारी तमाम जर्जरताओं एवं निराशाओं के बावजूद आज भी हिन्दू और भारत विरोध को ढ़ाल बनाकर ही अपनी सत्ता मजबूत करते रहे हैं। लेकिन अब उसका चेहरा इतना बदनुमा बन गया है कि उसने धर्म के नाम पर निर्दोष एवं बेगुनाह लोगों का खून बहाना शुरु कर दिया है। भारत ही नहीं, दुनिया में आतंक को फैलाने में अपनी जमीन, संसाधन एवं ताकत का प्रयोग खुलेआम करना शुरु कर दिया है, यह उसकी बौखलाहट ही है, यह उसकी निराशा ही है, यह उसकी विकृत सोच ही है। इस घिनौनी सोच का पर्दापाश पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले के रूप में पूरी दुनिया के सामने हुआ है। विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों एवं चीन ने इसे अनदेखा ही किया। लेकिन इस बार की पहलगाम घटना ने इन देशों के साथ पूरी दुनिया को झकझोर दिया है और पाकिस्तान के प्रति उनकी सोच बदली है।

निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है, लेकिन उसके आतंकवादी होने के पुख्ता प्रमाणों ने दुनिया को एकजुट कर दिया है, यही कारण है कि दुनिया से वह अलग-थलग अकेला खड़ा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया ? क्यों उसने किन्हीं दूसरे देशों के कहने पर अपनी जमीन को आतंक की उर्वरा भूमि बनने दिया ? क्यों उसने इस्लाम को आधार बनाकर कट्टरपंथ की फसल सींची ? पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। सोचने वाली बात तो यह भी है कि उसने इस्लाम एवं मुसलमान समुदाय को भी अपने गलत एवं गंदे मनसूंबों के लिये इस्तेमाल किया। यह कारण है कि अपने धर्म को धुंधलाने एवं बेजा इस्तेमाल का फल उसे तमाम असफलताओं एवं पराजयों के रूप में मिला है, अन्यथा इस्लाम का पवित्र उपयोग करने वाले देश तो दिनोंदिन आगे बढ़ रहे हैं, समृद्ध हो रहे हैं, अपने लोगों को उन्नत जीवन प्रदत्त कर रहे हैं, दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाकर खड़े है।

दुनिया पाकिस्तान के बदसूरत चेहरे को देख चुकी है, फिर भी दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति, अमन एवं उन्नत संसार-निर्माण के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत में भारत से तीन युद्ध हारने के बावजूद उसने कुछ सबक नहीं लिया। भारत को नुकसान पहचाने की नीति पर वह आज भी कायम है। भारत की अलग-अलग समय की सरकारों ने अनेक कोशिशें पाकिस्तान से संबंध सुधारने की है, लेकिन पाकिस्तान सुधरा नहीं। भारत के संबंध सुधार, शांति एवं पडोसी देश-धर्म के प्रयासों का जबाव उसने हमेशा आतंकवादी घटनाओं के रूप में ही दिया। भारत के इन सकारात्मक प्रयासों के बदले कभी कारगिल मिला, कभी पठानकोट, कभी उरी तो कभी मुंबई। लेकिन इस बार के पहलगाम के नृशंस आतंकी हमले के बाद हर भारतीय, यहां तक हर कश्मीरी की जुबान पर एक ही सवाल है कि इस पाकिस्तान का इलाज क्या है ? लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बड़ा और आरपार का करने के मुड़ में है। अब तक प्रधानमंत्रियों में वे सर्वाधिक शक्तिसम्पन्न एवं हौसल्ले वाले महानायक है।

पाकिस्तान इस समय बहुआयामी संकट का सामना कर रहा है, आंतरिक असंतोष, आर्थिक पतन एवं घटती अन्तर्राष्ट्रीय प्रासंगिकता के चलते वह बौखलाहट का शिकार है। इसी का परिणाम है कि वह भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से वह अपने ही पांव पर कुल्हाडी चलाता हुआ दिख रहा है। चीन पर उसका भरोसा भी उसे निराश ही करेगा। पाकिस्तान में जब चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तब चीन को उसमें आतंकवाद नजर आता है, लेकिन मौका मिलने पर वह मसूद अजहर जैसे आतंकियों को बचाने से गुरेज नहीं करता। ऐसा नहीं है कि चीन मुस्लिमों का रहनुमा है। दुर्भाग्य से, बात जब भारत की आती है, तो आतंकवाद को लेकर पेइचिंग का नजरिया भी बदल जाता है। लेकिन इस बा चीन के सामने भारत का लुभावना बाजार है, इसके चलते व पाकिस्तान का खुला समर्थन करेगा, इसमें शंका है।

पाकिस्तान का एकमात्र बड़ा सहारा चीन भी उससे दू बना ले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पाकिस्तान को वह हमेश भारत को परेशान करने के टूल के रूप में इस्तेमाल करत आया है। पहलगाम की तटस्थ जांच के लिए पाकिस्तान क प्रस्ताव बताता है कि वह कमजोर और अलग-थलग पड़ रह है। भारत के पक्ष को दुनिया बेहतर ढंग से समझ रही है। यह बात चीन को भी समझानी होगी। मोदी सरकार के लिए य दिखाना जरूरी हो गया है कि वो इस मामले को लेकर वाक गंभीर है। जैसे-जैसे पर्यटकों के शव उनके परिवारों तक पहु रहे हैं और उनके अंतिम संस्कार के भावुक एवं मार्मिक दृश् प्रसारित हो रहे हैं- सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है। लोग का गुस्सा खासतौर पर इस तथ्य से और बढ़ गया है वि आतंकवादियों ने पहले पुरुषों का धर्म जानना चाहा और उन उनके परिवार के सामने गोली मार दी।

पहलगाम घटना ने कश्मीर की रोजी-रोटी पर आं पहुंचायी है, वहां की शांति को लीला है। यही कारण है वि पहलगाम हत्याकांड के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के आम लोगों ने बड़ी संख्या में विरोध-प्रदर्शन किया है। राज्य में बं रहा, लोगों ने विरोध मार्च निकाले और यहां तक कि कश्मी के प्रमुख समाचार पत्रों ने विरोध के तौर पर अपने मुखपृष् को स्याह रंग से पोत दिया। आज सरकार, विपक्ष औ नागरिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है कि वे ऐसा कुछ करें, जिससे सांप्रदायिक संघर्ष फैले। क्योंकि तब हम केवल उस एजेंडे को आगे बढ़ा रहे होंगे, जो आतंकवादियों क मकसद है- भारत को विभाजित करना। भारत की एकता कश्मीर की शांति एवं विकास एवं आतंकवाद की कमर तोड़ के लिये अब पाकिस्तान को केवल सैन्य कार्रवाई से नहीं बल्कि आर्थिक, राजनयिक एवं वैश्विक दबाव से पंगु बनान होगा। पाकिस्तान के लिये स्थिर पड़ोसी का विचार छोड़क रणनीतिक विखंडन के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य को नय आकार देना समय की जरूरत है। सिंध एवं बलुचिस्ता अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं, आजाद कश्मीर को भारत मिलाने की जरूरत है। इस रणनीतिक एवं कूटनीतिज्ञ उद्देश् के लिये एक दूरगामी, बहुआयामी एवं निर्णायक दृष्टिको की आवश्यकता है, जिसकी पहल लक्षित सर्जिकल स्ट्राइक और प्रमुख आतंकी सरगनाओं को मिटाकर आतंकी केन्द्र को ध्वस्त करके ही हो सकती है।

निजी स्कूलों पर सर्जिकल स्ट्राइक कराने के लिए किसान सेना (अ) ने संभाला मोर्चा

सब का सपना संवाददाता

हापुड़। किसान सेना (अ) के जिलाध्यक्ष आबिद हुसैन व महिला विंग की जिलाध्यक्ष दीपिका चुंग के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने प्राइवेट स्कूल संचालकों द्वारा मौजूदा समय में अभिभावकों की जेब पर डाका डालने, बुक सेलरों व ड्रेस कोड के रूप में लूट मचाने के विरोध में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर कहा कि निजी स्कूलों पर भी एक सर्जिकल स्ट्राइक होनी चाहिए ताकि इनकी मनमानी पर अंकुश लग सके।

आबिद हुसैन व दीपिका चुंग ने जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय को अवगत कराया कि निजी स्कूल संचालक द्वारा हर साल में कोर्स बदल देना इनकी फितरत में शामिल हो चुका है। एक कोर्स यदि पांच साल तक चलाया जाता है तो उसका लाभ गरीब तबके के छात्र व छात्राएँ उठा सकते हैं। कम से कम गरीब बच्चे किसी से पुराना कोर्स हासिल करके अपनी महंगी पढ़ाई को जारी रख सकते हैं। इतना ही नहीं, इनका एक नायाब फंडा यह भी है कि अभिभावकों पर दबाव बनाकर यह भी कहा जाता है कि जिस दुकान से हम कहे कोर्स व ड्रेस वहीं से खरीदना है। अब आप यह जानना चाहेंगे कि ऐसा किसलिए कहा जाता है, ऐसा इसलिए कि अभी अभिभावक की जेब पर डाका सही तरीके से नहीं डाला गया है। जिन दुकानों से कोर्स व ड्रेस खरीदने के लिए कहा जाता है वे भी इन्हीं की शह पर संचालित की गई होती हैं।

आबिद हुसैन व दीपिका चुंग ने यह भी बताया कि स्कूल संचालकों द्वारा बच्चे के अभिभावकों से मनमानी फीस वसूली जा रही है उसके विपरीत अध्यापक कहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ने में बहुत कमजोर है इसका ट्यूशन लगवाना पड़ेगा। जनाब दिमाग पर ज़ोर देने की जरूरत है जब बच्चा स्कूल की 6 घंटे की पढ़ाई में कमजोर है तो वह ट्यूशन की एक घंटे की पढ़ाई में क्या ख़ाक पढ़ पाएगा।

किसान सेना के पदाधिकारियों का यह भी कहना था कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना एक ओजस्वी नारा दिया पढ़ेगा इंडिया आगे बढ़ेगा इंडिया। सुविधा संपन्न और आँखों को चकाचौंध कर देने वाली बिल्डिंगें तो प्राइवेट स्कूलों के पास हैं। उनमें पढ़ाई सिर्फ संपन्न व उच्च परिवारों के बच्चे कर सकते हैं। एक गरीब व मजलूम किसान के बच्चे की क्या हैसियत कि वह उन स्कूलों की चारदीवारी को निहार भी सके। उसके अंदर बैठकर पढ़ाई करना तो वह सपनों में भी नहीं सोच सकता। अब गरीब का बच्चा राह तक रहा है निजी स्कूलों पर भी एक सर्जिकल स्ट्राइक होनी चाहिए ताकि इनकी मनमानी पर अंकुश लग सके।

इस अवसर पर मौ॰शकील, परवेज़ अहमद, हामिद खान, अब्दुल्ला हुसैन, मौ॰ताहिर, अब्दुल कादिर, आरिफ़, महबूब, गुलजार, शमशाद अली, मौ॰असलम, पवन चुंग, फैजान, शमशाद मलिक, दिलशाद मलिक, मोहिन सैफी, तारीफ, आबिद समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

भगवान परशुराम शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब, झांकियों ने मोहा मन

सब का सपना संवाददाता

कलश-यात्रा एवं वैदिक मंत्रों के साथ निकाली गई भगवान परशुराम शोभायात्रा

सम्भल। नगर में इस बार भी अक्षय तृतीया पर एक भव्य आध्यात्मिक यात्रा का आयोजन, समस्त ब्राह्मण संगठन एवं सर्व हिन्दू समाज के सानिध्य में, भगवान परशुराम प्रकटोत्सव समिति द्वारा भगवान परशुराम की परम्परागत भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा पातालेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई सूर्यकुंड स्थित परशुराम भवन पर सम्पन्न हुई, जिसका शुभारम्भ महोरा आश्रम से त्यागी जी महाराज, बाबा दीनानाथ जी महाराज, उपजिलाधिकारी वंदना मिश्रा एवं कमलकांत तिवारी ने भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया।

शोभायात्रा में भगवान परशुराम की सजीव झांकी, गुरुकुल प्रणाली के दर्शन, कलश-यात्रा,वैदिक मंत्रों की गूंज, परिक्रमा-दर्शन, संतों

की दिव्य-उपस्थिति और भक्तों के जनसैलाब से आयोजन को ऐतिहासिक रूप मिला।

चौबीस कोसीय मासिक परिक्रमा समिति के अध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने बताया कि पूरे जिले से भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने यात्रा में भाग लेकर, भगवान परशुराम के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर गणेश शर्मा, हरिओम शर्मा, मुकेश शर्मा, वीकेश शर्मा, के के मिश्रा, अतुल कुमार शर्मा,विशेष शर्मा, डीपी शर्मा, शोभित शास्त्री, विशाल शर्मा, भूकेन्द्र शर्मा, मुकेश शर्मा, शंकर शर्मा, राहुल शर्मा , संजीव शुक्ला, विनीत शर्मा, कपिल श्रोत्रिय, आयुष पूठिया, अनुराग शर्मा, अक्षय मोंटी ने सहयोग किया।

दो पक्षों में खेत पर कार्य करते समय चले लाठी डंडे दो महिला घायल

सब का सपना संवाददाता

धनौरा/अमरोहा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव शहबाजपुर गुर्जर मे खेत पर कार्य करते समय विवादित जमीन को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गईं। जिसमें दो महिलाएं घायल हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक शहबाजपुर गांव में कमल सिंह का परिवार रहता है। सोमवार को कमल सिंह अपने निजी खेत पर सिंचाई करने के लिए गए हुए थे। जिसके बाद दुसरे पक्ष के जगदीस, शशी, जोगिंदर, दीपांशु लाठी डंडे लेकर खेत पर पहुंच गए और गाली गलौच करने लगें। जिसकी सुचना कमल सिंह के द्वारा अपने परिवार को दी गई। जिसके बाद कमल सिंह के परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। गाली गलोच करने के लिए मना किया तो जगदीस, शशी, जोगिंदर, दीपांशु ने लाठी डंडे, फावड़ा आदि से कमल सिंह के परिवार पर हमला कर दिया। जिसमे कमल सिंह की पत्नि चंद्रवती, बेटी अर्चना घायल हो गए। जिसके बाद कमल सिंह अपने पत्नि व बेटी को थाने लेकर पहुंचे और सुरक्षा की गुहार लगाई। पुलिस के द्वारा कमल सिंह की पत्नि व बेटी का मेडिकल कराने के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया जहां से चंद्रवती को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिसके बाद पुलिस के द्वारा दोनो पक्षों का चालान कर दिया गया। जिसको लेकर पीड़ित पक्ष ने कहा कि हमे ही विपक्षी लोगों द्वारा पीटा गया और हमारा ही चालान हो गया।

बाल विवाह रोकने के लिए धर्मगुरूओं ने भी अपील कर दी जानकारी

जस्ट राईट फॉर चिल्ड्रेन, प्रयत्न संस्थान के अर्न्तगत चलाया गया जागरूकता अभियान

सब का सपना संवाददाता

संभल। बाल विवाह रोकने के लिए चलाये जा रहे जागरूकता अभियान मे धर्मगुरूओं ने भी बढ़चढ़कर सहयोग करना शुरू कर दिया है। लगातार जनता से अपील और हाथों मे स्लॉगन लिखी तख्तियां लेकर संवाद किया जा रहा है। सम्भल इमामे ईदगाह ने भी प्रेस वार्ता करते हुए जागरूकता कार्यक्रम मे प्रतिभाग किया।

मंगलवार को जस्ट राईट फॉर चिल्ड्रेन, प्रयत्न संस्थान के अर्न्तगत बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए जिला कोआर्डिनेटर गौरीशंकर चौधरी के नेतृत्व मे क्षेत्र के तिवारी सराय, मल्ली सराय मे बाल विवाह के लिखाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। इमामे ईदगाह सम्भल अभियान हज़रत मौलाना ज़हीरूल इस्लाम ने मदरसा हामिदिया अशरफिया मे प्रेस वार्ता करते हुए जनता से अपील करते हुए कहा कि कानून का पालन करें और जिस तरह से बाल विवाह कानून के अनुसार अपराध माना गया है तो ऐसा हरगिज़ न करे। बाल अपराध को रोकने के लिए इस अभियान मे अपना सहयोग करें।

अन्य धर्मगुरूओं ने भी जागरूकता अभियान मे प्रतिभाग करते हुए बाल विवाह रोकने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रयत्न संस्था के फिल्ड कोआर्डिनेटर फरज़न्द अली वारसी, शिराज अहमद चिश्ती आदि मुख्य रूप से उपास्थित रहे।

नानकशाही कैलेंडर प्राप्त होने पर समाजसेवी ने किया हार्दिक आभार व्यक्त

सब का सपना संवाददाता, हापुड़। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्रीअमृतसर द्वारा प्रकाशित नानक शाही कैलेंडर 2025-26 धार्मिक संस्था यूपी सिख मिशन हापुड़ के प्रभारी ज्ञानी बृजपाल सिंह जी द्वारा प्राप्त होने पर समाजसेवी डॉ राजेन्द्र सिंह औलख़ ने हार्दिक आभार व्यक्त किया इस कैलेंडर में भक्तो शहीदों और महान गुरुओं के जन्म तारीख दिन आदि दर्शाए गए हैं।

एक गांव निवासी युवक ने वीडियो वायरल कर पूर्व प्रधान पति पर लगाया ठगी का आरोप

सब का सपना संवाददाता

हसनपुर/अमरोहा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव निवासी ने वीडियो वायरल कर पूर्व प्रधान पति पर बीस हजार रूपए की ठगी व गाली गलोच और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। वहीं पूर्व प्रधानपति ने इन सभी आरोपों को नकारते हुए वायरल वीडियो करने वाले व्यक्ती पर ही तीन लाख रुपए होने की बात कही है।

मिली जानकारी के अनुसार जनपद के हसनपुर थाना क्षेत्र के गांव मंगरौली निवासी खजान ने गांव के ही पूर्व प्रधान पति पर वायरल वीडियो कर बीस हजार रूपए हड़पने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि मेरी बेटी की शादी 2023 में हुई थी तब पूर्व प्रधान ने मुझसे बीस हजार रुपए उधार ले लिए थे। कहा था की

मोटरसाइकिल की एजेंसी पर आपके रुपए उधार करा दूंगा, मुझे जरूरत है, आप मुझे बीस हजार रूपए दे दो। खजान ने वायरल वीडियो में बताया कि मैं उन्हें बीस हजार रुपए दे दिए थे लेकिन उसके बाद न ही तो वह रुपए एजेंसी मालिक को पहुंचे और न ही उन्होंने मुझे वापस दिए। जिसकी वजह से मोटरसाइकिल के पेपर भी नहीं बन पाए हैं। उन्होंने बताया कि दामाद बाइक को घर छोड़ जाते हैं वह कहते हैं कि इसके पेपर ही नहीं है तो पुलिस कहीं भी रोक कर परेशान करती है। वायरल वीडियो में खजान ने आरोप लगाया की पूर्व प्रधान पति दबंग किस्म का व्यक्ति है। वह पहले भी जेल जा चुका है और अब वह मेरे रुपए वापस न देकर मुझे जाति सूचक शब्दों के साथ गाली गलोच, व जान से मारने की धमकी दे रहा है। वही इस पूरे मामले को लेकर जब हमने पूर्व प्रधान पति ओमकार सिंह से फोन पर संपर्क साधा तो उन्होंने बताया कि सभी आरोप निराधार हैं मेरे खजान पर तीन लाख रुपए हैं। जिसकी पंचायत भी काफी बार हो चुकी है।

यातायात नियमों को लेकर दी गई जानकारी

सब का सपना संवाददाता, संभल। पुलिस अधीक्षक संभल के कुशल निर्देशन और क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में चलाए जा रहे यातायात जागरूकता एवं डिजिटल रोड सेफ्टी अभियान परवाह (Care) के अंतर्गत मुख्य आरक्षी सोनू अहलावत के द्वारा जनपद संभल में यातायात नियमों संबंधी जागरूकता कार्यक्रम किया गया। जिसमे वाहन चालकों को यातायात नियमों के महत्व का बोध कराया। सड़क चिन्हों एवं यातायात नियमों को विस्तार से समझाया गया। जिसमें हेलमेट लगाकर वाहन चलाएं।शराब पीकर वाहन न चलाएं। चार पहिया वाहन चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट धारण करें।वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग ना करे। आप अपने परिवार के लिए बहुत अनमोल है सुरक्षित यात्रा करें।

डग्गामार बसों का भी खेल निराला है, सरकार ने लगाया ताला है लेकिन फिर भी डग्गा मार बसों का जनपद अमरोहा में बोल वाला है

अवैध तरीके से लाया और ले जाया जाता है ट्रांसपोर्ट का सामान

अनुज गोस्वामी

सब का सपना संवाददाता, अमरोहा। सावधान, मुस्कुराइए आप जनपद अमरोहा में हैं सरकार के द्वारा लाख जतन करने के बाद भी डग्गामार वसो का संचालन रुकने का नाम नहीं ले रहा। आखिर ऐसा हम किस लिए कह रहे हैं तो इसे समझने से पहले हमें उत्तर प्रदेश के जनपद अमरोहा के जाना माना औद्योगिक नगरी के नाम से मशहूर गजरौला में पहुंचाना पड़ेगा और यदि आप वहां पर पहुंच गए तो सुबह के 6:00 बजे से 7:30 बजे तक आपको डग्गामार वसो का काफिला देखने के लिए मिल जाएगा। अब सवाल उठता है कि आखिर डग्गामार वसो का काफिला गजरौला में ही क्यों देखने के लिए मिलता है तो उसका जवाब है बदायूं , सहसवान, संभल से उझारी हसनपुर होते हुए दिल्ली को जाने वाली बस गजरौला से ही गुजरती है। बिजनौर, चांदपुर नजीबाबाद से दिल्ली जाने वाली बस भी गजरौला से होते हुए ही गुजरती है। और खास बात यह है कि यह बसें गजरौला चोपला पुलिस चौकी के सामने से होकर गुजरती है लेकिन वहीं दूसरी तरफ हम देखें तो रामपुर, बरेली, लखीमपुर, सीतापुर जैसे जिलों से भी बस मुरादाबाद से होते हुए दिल्ली जाने के लिए गजरौला से ही होकर गुजरती हैं लेकिन अंतर केवल इतना है कि बदायूं की तरफ और बिजनौर की तरफ से आने वाली बस गजरौला पुलिस चौकी के सामने से गुजरती हैं। मुरादाबाद की तरफ से आने वाली बसें गजरौला पुलिस चौकी के ऊपर से बने फ्लाई ओवर से होते हुए निकल जाती है। सूत्रों के माध्यम से लगातार जानकारी मिल रही थी कि लगभग सैकड़ो की संख्या में डग्गामार बस गजरौला से होकर गुजरती है और उनकी रफ्तार भी अंधाधुंध होती है। इतना ही नहीं रोडवेज बस के ड्राइवर भी इन डग्गामार बसों के बराबर नहीं चल पाते और जब रोड से डग्गामार बस गुजरती है तब सामने वाले के दिल में एक अलग सा खोफ बनने लगता है लेकिन पहला सवाल सरकार ने डग्गामार वाहनों का संचालन बंद कर रखा है तो फिर इन्हें चलाने वाला कौन?

सवाल नंबर 2. बगैर प्रशासनिक अधिकारियों की इच्छा के जिले से एक भी डग्गामार वाहन नहीं गुजार सकता सवाल

सवाल नंबर 3. डग्गामार वाहनों को रोकने के लिए, अनेकों अधिकारियों की तैनाती होती है तो वह क्या कर रहे हैं?

सवाल नंबर 4. एक जनपद से नहीं बल्कि अनेकों जनपदों से होते

हुए चौकी थानों से होते हुए यह बस आखिर दिल्ली कैसे पहुंच जाती है?

सवाल नंबर 5. क्या केवल अधिकारी खानापूर्ति के नाम पर एक दो डग्गामार बसों पर कार्यवाही करने का कार्य करते हैं?

ऐसे अनेकों सवाल लोगो के मन में उत्पन्न होते हैं लेकिन फिर भी यह डग्गामार बस लगातार किसके भरोसे चलती है इस पूरी खबर को अब हम समझेंगे। सूत्रों के हवाले से लगातार जानकारी मिल रही थी कि उत्तर प्रदेश के जनपद अमरोहा का औद्योगिक नगरी गजरौला उत्तर प्रदेश का मशहूर स्थान है। इतना ही नहीं जनपद अमरोहा में गजरौला एकमात्र ऐसी जगह है जहां से आपको देश के किसी भी कोने में जाना हो तो सीधी सवारी मिल सकती है। वही गजरौला में रेलवे स्टेशन भी है जहां से आप रेलवे के माध्यम से कहीं भी आ जा सकते हैं लेकिन उसके बाद भी आखिर डग्गामार वाहन यहीं से क्यों गुजरते हैं उसके लिए भी आपको समझना पड़ेगा। ग्रामीण अंचलों में प्राइवेट बसों की आवश्यकता होती है या यू कहे कि जहां रोडवेज बस नहीं पहुंच पाती वहां पर प्राइवेट बसों की आवश्यकता है लेकिन दूसरी तरफ देखें तो जहां सरकारी बसें लगातार दौड़ रही हो वहां पर यह डग्गामार बसें यानी कि डग्गामार वाहन आखिर कैसे दौड़ रहे हैं? या यू कहे कि सरकार के पास इतनी व्यवस्था नहीं है कि डग्गामार वाहनों को कंट्रोल किया जाए रोका जाए लेकिन ऐसा नहीं है। रोडवेज बस आज भी पूरा किराया नहीं निकाल पा रही और उसका मुख्य कारण है डग्गामार वाहनों का संचालन होना। इतना ही नहीं आजकल लोडिंग वाहन बनाने के लिए ट्रांसपोर्टर भी घबराने लगे है। उसका मुख्य कारण है डग्गामार बस आखिर कैसे? तो इसे हम अब समझते हैं इन सभी डग्गामार वसो का संचालन दिल्ली के अधिकतर बॉर्डर से ही होता है। इसीलिए व्यापारी अपना सामान इन डग्गामार बसों से लाने और ले जाने का कार्य करते हैं। आखिर करे भी क्यों नहीं, क्योंकि व्यापारी का माल लोडिंग वाहन में अगर दस हजार रुपए में आता है तो वही सामान इन डग्गामार बसों के माध्यम से पांच हज़ार में आ जाता है। अब यहां पर सवाल उठता है कि आखिर सेल टैक्स ऑफिसर क्या करते हैं या फिर उनका भी मिला-जुला मामला है। अब ऐसे में ट्रांसपोर्टर परेशान है की गाड़ी के खर्चे, किस्त कहां से निकली जाए। ओवरलोडिंग चला नहीं सकते, अगर ओवरलोड गाड़ी को किया तब रास्ते में उन्हें आरटीओ के द्वारा उन्हें रोक लिया जाता है। क्योंकि यह नियमों के खिलाफ है। लेकिन वहीं दूसरी तरफ डग्गामार बसों में अधिकतम समान बगैर बिलिंग के आता जाता है। जिससे कि व्यापारी भी बगैर टैक्स दिए अच्छा मुनाफा कर लेते हैं। उत्तर प्रदेश से दिल्ली अगर कोई सामान हमें लेकर जाना है तो यह बस उसका अच्छा साधन बन चुका है या दिल्ली से हमें कोई सामान उत्तर प्रदेश बगैर जांच पड़ताल के लेकर आना है तो उसके लिए भी यह डग्गामार वाहन अच्छा ऑप्शन है। इन डग्गामार बसों में न जाने कितने ऐसे अवैध सामान इधर से उधर आते जाते हैं जिन्हें एक राज्य से दूसरे राज्य लाने या ले जाने के लिए टैक्स लगता है लेकिन यहां तो टैक्स देने की आवश्यकता ही नहीं है। इतना ही नहीं लोडिंग वाहन में यदि व्यापारी सामान लेकर आता है तो वहां उसको चिंता लगी रहती है लेकिन यहां पर व्यापारी बेफिक्र हो जाता है। अब सवाल उठता है कि आखिर डग्गामार वसो का संचालन कौन कर रहा है या फिर सिस्टम के लोग मिलजुल कर डग्गामार बसों का संचालन करने में लगे हुए हैं? ऐसे में एक सवाल नहीं अनेकों सवाल मन में उठते हैं लेकिन दूसरा सवाल यह भी उठता है कि रोड पर काफी मात्रा में एक्सीडेंट होते हैं और उन एक्सीडेंट की वजह अगर समझने का प्रयास किया जाए तो ओवर स्पीड होता है जबकि डग्गामार बस नियमों के तहत चलती ही नहीं है। स्पीड इनकी ओवर होती है रोड पर अज्ञात एक्सीडेंट काफी संख्या में मिल जाते हैं। जिनका खुलासा तक भी नहीं हो पाता। वाहन पकड़ में नहीं आ पाते। आखिर ऐसे में आम जनता के द्वारा दिए गए टैक्स से धन से तनख्वाह पाने वाले अधिकारी आखिर क्या कर रहे हैं?

सार समाचार

कुत्ते को बचाने में फिसली बाइक ढाई साल के मासूम सहित चार लोग घायल

सब का सपना संवाददाता, बहजोई/संभल। कुत्ते को बचाने के चक्कर मे एक मासूम सहित चार लोग बुरी तरह घायल हो गए। संभल रोड बहजोई सिल्वर स्टोन स्कूल के पास एक बाइक पर सवार एक अधेड़ उम्र की महिला सरोज ,अनिल पुत्र ओंकार,मनोज पुत्र देवीराम , मासूम के साथ अपने गांव चाऊपुर थाना रजपुरा से एक बाइक पर सवार होकर नागलिया कठेर थाना बहजोई में एक शादी समारोह में जा रहे थे।

मिली जानकारी के मुताबिक बहजोई सिल्वर स्टोन स्कूल के पास बाइक के आगे एक कुत्ता आ गया जिसे बचाने के चक्कर में बाइक फिसल गई और मासूम सहित चारों लोग जमीन पर गिर गए और बाइक सवारो को गंभीर चोट लग गई। जिसके बाद आसपास के लोगों ने दौड़कर उठाया और डायल 112 एम्बुलेंस को सुचना दी गई। जिसके बाद सभी को सरकारी अस्पताल बहजोई ले जाया गया। समाचार लिखे जाने तक सभी बाइक सवार लोगों का उपचार चल रहा था।

पुलिस ने गांजा तस्कर को अवैध गांजा के साथ किया गिरफ्तार

सब का सपना संवाददाता, गढ़मुक्तेश्वर। थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से अवैध गांजा बरामद किया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की अपराध की रोकथाम एवं मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान एक मादक पदार्थ तस्कर अर्जुन पुत्र विनोद निवासी ग्राम अठसैनी थाना गढ़मुक्तेश्वर जनपद हापुड को फुलडी नहर पुल के पास से 200 ग्राम गांजा व एक मोटर साईकिल के साथ गिरफ्तार किया गया है। जिसपर (अन्तर्गत धारा 207 एमवीएक्ट) में कार्यवाही की जाएगी।

शादी में जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

सब का सपना संवाददाता, बहजोई/ संभल। शादी में जा रहे एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक अवनीश पुत्र धर्मपाल गुप्ता निवासी गांव जयराम नगर थाना धनारी मंगलवार की रात लगभग नौ बजे बाइक पर सवार होकर अपने घर से अपने दोस्त की शादी में जाने के लिए गांव मिर्जापुर थाना बहजोई के लिए निकला था। इस्लामनगर रोड पर निकट डी आर राइस मिल के पास किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया और बुरी तरह घायल हो गया। शोर शराबा सुनकर मौके पर भीड़ जमा हो गई आनन फानन में पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची कोतवाली बहजोई पुलिस ने डायल 112 एंबुलेंस को बुलाया। जिसके बाद युवक को सरकारी अस्पताल बहजोई लाया गया लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया बहजोई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

फर्जी अकाउंट खुलवाकर साइबर फ्रॉड करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सब का सपना संवाददाता, अमरोहा। पुलिस द्वारा फर्जी अकाउंट खुलवाकर साइबर फ्रॉड करने वाले एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस द्वारा साइबर फ्रॉड के 12,26000/-रुपए की धनराशि पीड़ित के बैंक खाते में वापस कराई गई है तथा आरोपी के कब्जे से पांच फर्जी आधार कार्ड, चार पैन कार्ड, एवं साइबर फ्रॉड से संबंधित दस्तावेज, चार चेक बुक, एक पासबुक, एक लैपटॉप, तीन बैंक जमा स्लिप, छः स्वैप मशीन स्लिप ,9722/-रुपए एवं घटना में प्रयुक्त तीन मोबाइल फोन और 8 सिम कार्ड बरामद किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक के मुताबिक वेव शुगर मिल कॉलोनी मलेशिया थाना बछरायूं निवासी वैन्कटराम रेड्डी पुत्र वेंकटरामि रेड्डी द्वारा थाना साइबर क्राइम पर एक प्रार्थना पत्र अज्ञात व्यक्ति द्वारा आवेदक के टेलीग्राम ऐप पर इन्वेस्टमेंट हेतु लिंक भेज कर आवेदक के खाते से 12,60000 का साइबर फ्रॉड कर लेने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया गया था। जिसके क्रम में थाना साइबर क्राइम द्वारा संबंधित धारा में दिनांक 17-03-2025 को मुकदमा पंजीकृत हुआ था।

जानिए प्रेगनेंसी के दौरान कौन से मेडिकल टेस्ट है जरूरी

नारी-संसार

गर्भधारण के दौरान समय-समय पर कई तरह की जांच की जाती हैं। इससे मां और बच्चे के स्वास्थ्य की जानकारी मिलती है। साथ ही कोई कंप्लीकेशन ना हो इसकी जानकारी भी चिकित्सक को मिल जाती है। यदि कोई कंप्लीकेशन होती भी है तो चिकित्सक समय रहते उसका इलाज कर बच्चे और मां को किसी भी परेशानी से बचाया जा सकता है। आइये जानते हैं कि गर्भधारण के दौरान डिलिवरी तक कौन-कौन सी चिकित्सा जांच की जाती हैं

सीबीसी यानी कम्पलीट ब्लड काउंट टेस्टः डॉक्टर आपका सीबीसी टेस्ट आपके गर्भवती होने के बाद करेगा। इससे आपके रक्त में लाल और सफेद कोशिकाओ का पता लगाया जाता है । इसके साथ ही हीमोग्लोबिन, हेमैटक्रीट और प्लेटलेट्स कणों को भी काउंट किया जाता है। हीमोग्लोबिन रक्त में मौजूद प्रोटीन होता है जो कि सेल्स को ऑक्सीजन देता है और हेमैटक्रीट शरीर में लाल रक्त कणों को जांचने का माप है। दोनों में से किसी के भी कम होने पर एनीमिया कहा जाता है। प्लेटलेट्स रक्त में थक्का जमने में सहायता करती हैं। महिला नार्मल डिलिवरी के दौरान तकरीबन आधा लीटर रक्त खो देती है। ऐसे में रक्त की कमी होने पर बच्चे और मां दोनों के लिए स्थिति खतरनाक हो सकती है।

आरएच फैक्टर टेस्टः आरएच फैक्टर टेस्ट में लाल रक्त कणों के सरफेस में प्रोटीन की मात्रा देखने को किया जाता है। अगर प्रोटीन होता है तो इसे आरएच पॉजिटिव कहा जाता है अन्यथा नेगेटिव। यह टेस्ट लगभग 85 प्रतिशत महिलाओं में पॉजिटिव ही आता है।

यूरिन टेस्टः डॉक्टर यूरिन टेस्ट से ही गर्भवती महिला के स्वास्थ्य की सही जानकारी लगा पाते हैं। इसमें मुख्यत शुगर की जांच की जाती है। इसके साथ ही किडनी के इन्फेक्शन का पता लगाने के लिए यूरिन में प्रोटीन की मात्रा, जांच की जाती है। इस टेस्ट के माध्यम से बैक्टीरिया की जांच की जाती है जिससे यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन का पता चल पता है। केटोन्स की भी जांच होती है जिससे यह पता लगता है कि शरीर कार्बोहाइड्रेट की जगह वसा का इस्तेमाल ऊर्जा के लिए तो नहीं कर रहा है।

रक्तचाप की जांचः गर्भवती महिला के रक्तचाप की जांच की जाती है ताकि रक्तचाप ज्यादा या कम दोनों ही होने की स्तिथी में महिला को किसी भी प्रकार की हानि से बचाया जा सके।

भ्रूण का अल्ट्रासाउंडः भ्रूण के शारीरिक विकास को देखने के लिए समय समय पर अल्ट्रासाउंड किया जाता है। इसमें प्लेसेंटा की स्थिति और बच्चे के शरीर का हर माप देखा जाता है। बच्चे की मूवमेंट और अन्य क्रियाओं का भी पता अल्ट्रासाउंड से ही चलता है।

मल्टीपल मार्कर स्क्रीनिंगः यह दो तरह का होता है। ट्रिपल स्क्रीन टेस्ट और क्वाड स्क्रीन टेस्ट। यह आहार नाल न्यूरल टयूब में किसी भी तरह के डिफेक्ट को देखने के लिए किया जाता है।

हार्ट अटैक से बचने के उपाय

सेहत

दिल की सेहत पर ही निर्भर करती है, हमारे शरीर की सेहत। और दिल को सेहतमंद रखने के लिए बहुत जरूरी है कि हम संतुलित जीवनशैली अपनाएं और नियमित व्यायाम करें।

पर्याप्त नींद

हार्वर्ड के 70,000 महिलाओं पर किए गए एक अध्ययन के अनुसार, नींद हमारे दिल को सेहमतमंद रखने में काफी मदद करती है। इस अध्य यन में पाया गया कि जो लोग रात को एक घंटा अधिक सोते हैं, उन्हें दिल की बीमारी अन्यव लोगों की तुलना में कम होती है। वहीं सात घंटे से कम सोने वाले लोगों को दिल की बीमारी होने की आशंका अधिक होती हैद्य

कोलेस्ट्रॉल कम करें

रक्त में अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल धमनियों की भीतरी दीवारों पर जम जाता है। इससे धमनियां सिकुड़ जाती हैं और परिणामस्वॉरूप दिल तक कम मात्रा में खून पहुंचता है। इसलिए आपको चाहिए कि अपने कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखें और इसकी नियमित जांच भी करवाते रहें। उच्च रक्त कोलेस्ट्रॉल, कोरोनरी हृदय रोग विकसित होने की संभावना को बढ़ा देता है।

नियमित रूप से व्यायाम करें

नियमित रूप से व्यायाम स्वस्थ वजन बनाए रखने में मदद करता है। इससे मधुमेह होने की आशंका भी कम हो जाती है। मधुमेह रोगियों के बीच हार्ट अटैक का खतरा ज्याकदा होता है। गैर इंसुलिन निर्भर मधुमेह के रोगियों में सभी मौतों में से लगभग आधी दिल की बीमारी के कारण होती हैं।

फैट से बचें

भोजन में तेल का प्रयोग कम कर ताजी हरी सब्जियों और फल की मात्रा बढ़ाएं। ये रेशेदार और एंटी ऑक्सीडेंट्स के स्रोत हैं जो खून की वाहिकाओं में खराब कोलेस्ट्रोल के असर को कम करती हैं। इनके प्रतिदिन प्रयोग से दिल की बीमारी से बचा जा सकता है। साथ ही जंक फूड का सेवन कम से कम करें। भोजन समय पर करें।

धूम्रपान न करें

सिगरेट पीना महिलाओं में दिल की बीमारी का सबसे प्रमुख कारण है। मध्य म वर्ग की महिलाओं में तंबाकू के कारण लगभग 50 प्रतिशत हार्ट अटैक के मामलें देखने को मिलते हैं। वैज्ञानिकों द्वारा यह बात सिद्ध की जा चुकी है कि धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों में दिल का दौरा या आकस्मिक हृदय रोग से मृत्यु होने का खतरा आम व्यक्तियों की तुलना में दोगुनी होता है। धूम्रपान छोड़ देने के 10 वर्षो के अंदर इन बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

वजन को नियंत्रित करें

यदि आपका वजन अधिक है तो आपके हृदय पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। उसे तेजी से धड़कना पड़ता है। अधिक वजन का कारण असंतुलित भोजन और व्यायाम की कमी है, जिससे कई अन्य रोग भी जन्म लेते हैं। इससे बचाव का सबसे अच्छा तरीका है, रेशे वाले अनाजों तथा उच्च किस्म के सलादों का सेवन। साथ ही नियमित रूप से आधे घंटे टहलना। यह आपके अच्छे कोलेस्ट्रोल यानी एचडीएल कोलेस्ट्रोल को बढ़ाने में आपकी मदद कर सकता है।

तनाव में कमी

मनोवैज्ञानिक तनाव को हार्ट अटैक की मुख्य वजह मानते हैं। तनाव के प्रभाव को कम करने के और दैनिक आधार पर सामना करने वाले तनाव का प्रबंधन के लिए स्वस्थ तरीके खोजें। इसके अलावा, पौष्टिक आहार योजना और नियमित रूप से व्यायाम आपके स्वापस्य्नी पर पड़ने वाले तनाव को कम करने में मदद कर सकता है।

शराब का सेवन कम

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार, शराब का अत्यधिक सेवन हाई बीपी ओर दिल की बीमारियों का नेतृत्व कर सकता हैं। हालांकि, कुछ अध्ययनों से पता चला है कि कम मात्रा में शराब के सेवन से कोलेस्ट्रॉल सही रहता है और इसलिए यह दिल के लिए फायदेमंद है।

कोलकाता को माना जाता है देश का दिल

सैर-सपाटा

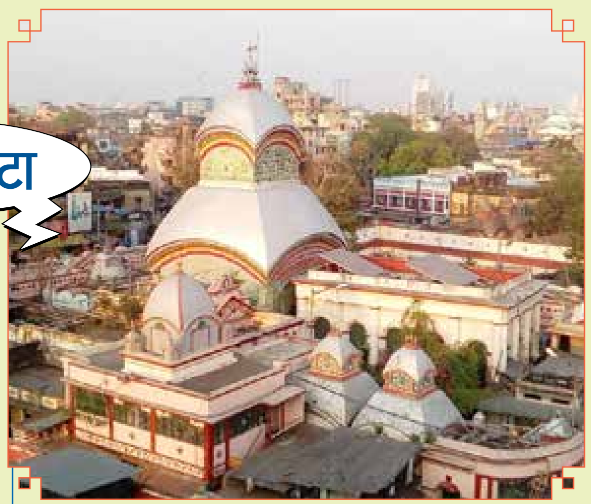

यदि भारत को सांस्कारिक रूप से मजबूत और इसकी जड़े पारंपरिक रूप से गहरी मानी जाती हैं तो पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता को देश का दिल माना जाता है। इस शहर को पहले कलकत्ता के नाम से जाना जाता था जो अंग्रेजों के जमाने से भी हमारे देश का सांस्कृतिक केंद्र रहा है।

यहां के लोग और स्थानीय संस्कृति

कोलकाता के लोगों को कई दशकों से साहित्य और कला प्रदर्शन के लिए सराहा जाता रहा है। दुर्गा पूजा, दीवाली और दशहरे के कुछ ही दिनों पहले मनाई जाने वाली काली पूजा जैसे त्योहारों को मनाने के तरीके और उनके द्वारा अपने घरों को सजाने के तरीके से उनके कला प्रेम के स्पष्ट सबूत मिलते हैं।

कोलकाता के स्थानीय लोगों के द्वारा प्रदर्शित किये गए नाट्य और नाटिकाओं को विश्व मंच पर ख्याति प्राप्त हो चुकी है। कोलकाता अपने हस्तशिल्प के लिए भी पहचाना जाता है जिसने आसपास के पड़ोसी शहरों से लोगों को यहां आने के लिए मजबूर किया।

इनकी कला को मजदूर शक्ति की सराहना और मानव अधिकार समूह के लोगों की आलोचना दोनों से प्राप्त हुई है। लोग यहां फेरी से आना पसंद करते हैं। परिवहन के अन्य साधनों में पुरानी बूढ़ी पीली टैक्सियां और स्थानीय बसें हैं जो हमेशा भरी रहती हैं। रिक्शा, शहर में घूमने का दूसरा माध्यम है। पढ़ने के शौकीन लोगों को कॉलेज स्ट्रीट जरूर जाना चाहिए। सबसे अधिक बिकने वाली और महंगी पुस्तकों को मोलभाव के बाद खरीदने के लिए, स्टेंड पर यह सबसे अच्छी जगह है।

कोलकाता के आस-पास के पर्यटन स्थलः- कोलकाता और उसके आसपास बहुत से पर्यटक आकर्षण हैं जैसे विक्टोरिया मैमोरियल, इंडियन म्यूजियम, ईडेन गार्डन, साइंस सिटी और भी बहुत कुछ। यहां बहुत सी एतिहासिक इमारतें हैं जैसे जीपीओ और कलकत्ता हाईकोर्ट, जो पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

खानपान

बंगाली, चावल और दाल की करी के साथ मिलाकर बनाई गई स्वादिष्ट मछली के लिए जाने जाते हैं। शहर में हर जगह बहुत कम कीमत पर स्थानीय भोजन परोसने वाले रेस्त्रां और भोजनालय हैं। यदि आप कोलकाता जाएं तो शहर में स्थानीय खाद्य दुकानों पर जाना न भूलें। बंगाली मिठाइयां पूरे देश में लोकप्रिय हैं, संदेश, मिष्ठी दोई (मीठा दही) और बहुत प्रसिद्ध रस मलाई का स्वाद जरूर चखें। यदि आप कुछ रोमांचक सा महसूस करना चाहते हैं या आपको एक बदलाव की जरूरत है तो चाइना टाउन की यात्रा आपको कुछ स्वादिष्ट भारतीय मसाले वाले चाइनीज फूड का अनुभव करा सकती है। यहां आप मोमोज (पकौड़ी) का स्वाद चखना मत भूलिये।

फिल्मों में कोलकाताः- कोलकाता के सुनहरे अतीत को हॉलीवुड और बॉलीवुड़ की फिल्मों ने दोहरा कर कोलकाता को अमर कर दिया, क्योंकि यहां विश्व प्रसिद्ध हावड़ा ब्रिज और शहर भर में चलने वाली ट्राम सेवा मौजूद है। कोलकाता, भारत की पहली भूमिगत रेल मेट्रो सेवा वाले शहर के रूप में भी जाना जाता है। स्थानीय फिल्में भी बहुत सी ललित कला अकादमी, विक्टोरिया मेमोरियल और एशियाटिक सोसाइटी की कर्जदार हैं।

शिक्षा

कोलकाता पर्यटन को इस तथ्य से भी बढ़ावा मिला है कि यह विशेष रूप से समुद्रतटीय बिरादरी के लिए शिक्षा का एक केंद्र है। देश का सबसे पुराना समुद्रतटीय इंस्टीट्यूट मेरी कोलकाता में है, जो गुजरे जमाने की याद दिलाता है। भारतीय मूल के कई नाविकों के दिल में इस शहर के लिए नरम जगह है।

कोलकाता में खेल प्रेमी

कोलकाता हमेशा से ही पूरे शहर भर बने हुए स्टेडियम के साथ क्रिकेट और सॉकर का प्रशंसक रहा है। ये स्टेडियम इन खेलों और राष्ट्रीय स्तर के मैचों के लिए प्रशिक्षण के मैदान रहे हैं। कोलकाता इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स के नाम से एक आईपीएल फ्रेंचाइजी टीम भी प्रस्तुत करता है।

कोलकाता में नाइटलाइफ

कोलकाता की नाईटलाइफ को देश की सबसे अच्छी शहरी रातों में से एक माना जाता है। नाईट क्लबों का उचित प्रवेश शुल्क है। पुलिस और स्थानीय कानून का दबाव पूरे शहर में फैला हुआ है जो लोगों की सुरक्षा को सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, पड़ोस के शहर भी सुबह से देर रात तक अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं।

कोलकाता शहर सभी तरह के यात्रियों के लिए कुछ न कुछ पेश करता है। एक बैकपैकर हो या एक परिवार यह शहर स्थानीय भोजन, कला, समकालीन जीवन शैली और नाइटलाइफ का एक सही मिश्रण प्रदान करता है। व्यापार की दृष्टि से, यह शहर अच्छी तरह से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में दक्ष है और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से अच्छी तरह से सभी क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है।

आप कैसे पहुंच सकते है कोलकाता....

एयर द्वारा

कोलकाता का नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, मुंबई और दिल्ली के लिए बहुत सी उड़ानों द्वारा देश के बाकी हिस्सों से जुड़ा हुआ है। और कई अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन भी हैं।

ट्रेन द्वारा

कोलकाता टर्मिनस कुछ बड़ी शेड्यूल की लंबी दूरी वाली ट्रेनों के माध्यम से देश के बाकी हिस्सों और राज्यों से जुड़ा है। मुंबई और नई दिल्ली के लिए नियमित रूप से ट्रेनें उपलब्ध हैं।

सड़क मार्ग

कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग 6 और 2 के माध्यम से देश और राज्य के बाकी हिस्सों से जुड़ा हुआ है। जमशेदपुर, सिलीगुड़ी और दार्जिलिंग जैसे निकटवर्ती शहरों से सड़क मार्ग द्वारा यहां तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

बच्चों के बर्थडे को स्पेशल बनाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

बालपन

छोटे बच्चों को अपना जन्मदिन बहुत ही खास लगता हैं। वह अपने जन्मदिन पर अपने सारे स्कूल दोस्तों के साथ खूब एन्जॉय करते हैं। वह चाहते हैं कि उनका बर्थडे उनके हर एक फ्रेंड को हमेशा याद रहें और वह तारीफ ही करते रहें। इसलिए आज हम मां-बाप को अपने बच्चों के जन्मदिन को स्पेशल बनाने के लिए कुछ टिप्स के बारें में बताएगें। तो आइए जानते हैं...

थीम पार्टी

हर मां-बाप को अपने चाहिए कि अपने बच्चे के बर्थडे को स्पेशल बनाने के लिए पार्टी का एक थीम रखे। जैसे कि फेयरी टेल, सुपर हीरो से लेकर बॉलीवुड और कार्टून के थीम। पार्टी में सजावट से लेकर खाने-पीने की चीजें सभी थीम के अनुसार ही रखें। अगर आप ऐसा ही कोई थीम रखेगे तो बच्चे पार्टी में ज्यादा मौज मस्ती कर सकते हैं।

लोकेशन

बर्थडे सेलिब्रेट करने के लिए किसी ऐसी जगह का चुनाव करें ताकि बच्चें बोरिंग न हो क्योंकि घर, बंगले और होटल्स में पार्टियां तो हर एक बच्चें ने देखी ही होती हैं। इसके लिए आप ऑउटडोर लोकेशन जैसे पार्क आदि में पार्टी कर रख सकते हैं।

खाने पीने की चीजें

आप पार्टी में खाने पीने की चीजें को अलग तरीके से सजा कर रख सकते हैं। जैसे कि हर पकवान को एक शेप या कार्टून करैक्टर का व्यक्तित्व देकर। बच्चे के बर्थडे केक को भी आप किसी खास कार्टून करैक्टर की शेप में तैयार करवा सकते हैं। ऐसे करने से हर बच्चे और बड़े की नजर इस केक पर खास जाएगी।

मनोरंजन

बर्थडे पर आप बच्चों के मनोरंजन के लिए किसी कॉमेडियन या जोकर को बुला सकते हैं। अगर आप बाहर से नहीं बुलाना चाहते तो खुद ही ऐसी ड्रेस पहन कर किसी भी तरह की प्रतियोगिता का आयोजन करके बच्चों का मनोरंजन करवा सकते हैं। ऐसा करने से बच्चों के लिए यह बर्थडे एक खास यादगार बना सकता हैं।

तोहफें

बच्चें को जन्मदिन का तोहफा इस तरह का दें जिसे वह अपने साथ ज्यादा समय तक रख सकें। आप अपने बच्चे को उनकी पसंद का तोहफा भी दे सकते हैं। जो बच्चे आपके बच्चे की बर्थडे पार्टी में आते हैं, उन्हें भी जाते समय कुछ न कुछ जरूर दें। ऐसा करने से सभी बच्चों के चेहरे पर मुस्कराहट देखने के मिलती हैं।

बिना इंटरनेट डाटा ट्रांसफर, जानें कैसे करें

तकनीक

अगर आपको डाटा ट्रांसफर करना है तो इंटरनेट की जरूरत पड़ेगी ही। पीसी से डाटा मोबाइल पर भेजना तो इंटरनेट का इस्तेमाल करना ही होगा और स्मार्टफोन पर रिसीव करना है तो भी इंटरनेट डाटा की खपत तय है, लेकिन इन सिंपल ट्रिक्स से आप बिना इंटरनेट के डाटा ट्रांसफर कर सकते हैं:

1. सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर से जेंडर एप डाउनलोड करें। यह एक डाटा ट्रांसफर एप है। इसकी खासियत है कि यह एप बिना इंटरनेट, यूएसबी और वाई-फाई के डाटा ट्रांसफर करता है।
2. अब पीसी में जेंडर एप डाउनलोड करें।
3. इसके बाद पीसी और मोबाइल दोनों को डाटा ट्रांसफर के लिए साथ रखें।
4. अब जैसे ही आप फोन पर जेंडर एप खोलेंगे, उसे पता चल जाएगा कि साथ रखें डिवाइस में जेंडर इंस्टॉल है।
5. इसके बाद डिवाइस के ग्रुप में ऐड करें।
6. अब जिन फाइल्स को भेजना है उन्हें सेलेक्ट करके सेंड ऑप्शन पर क्लिक करके भेज दें।
7. इस एप की खासियत है कि आप किन्हीं भी दो डिवाइसेज के बीच डाटा ट्रांसफर कर सकते है। आप चाहे तो दो स्मार्टफोन्स के बीच या फिर चार डिवाइसेज को कनेक्ट उनके बीच भी डाटा ट्रांसफर कर सकते है।

चेपॉक में चेन्नई की लगातार पांचवीं हार, प्लेऑफ की दौड़ से बाहर; पंजाब दूसरे स्थान पर पहुंची

चेन्नई। युजवेंद्र चहल की घातक गेंदबाजी के बाद प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारी के दम पर पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को उनके घर में चार विकेट से हरा दिया। बुधवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई ने 19.2 ओवर में 10 विकेट खोकर 190 रन बनाए। उनके लिए सैम करन ने अर्धशतकीय पारी खेली। जवाब में पंजाब ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 196 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सीएसके के लिए खलील अहमद और मथीशा पथिराना ने दो-दो विकेट लिए जबकि रवींद्र जडेजा और नूर अहमद को एक-एक सफलता मिली।

10 में से आठ मुकाबले गंवा चुकी चेन्नई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है। चार अंक और -1.211 के नेट रन रेट के साथ टीम 10वें पायदान पर है जबकि पंजाब तीन स्थानों की छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई। अब उनके 13 अंक हो गए हैं और उनका नेट रन रेट 0.199 हो गया। वहीं, शीर्ष पर 14 अंकों के साथ आरसीबी काबिज है।

चेपॉक में लगातार पांच मैचों में हार के साथ चेन्नई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली इस सत्र की पहली टीम है। ऐसा पहली बार हुआ है जब चेन्नई ने घरेलू मैदान पर लगातार पांच मुकाबलों में शिकस्त झेली है। इससे पहले 2008 और 2012 में फ्रेंचाइजी ने लगातार चार-चार मैच हारे थे।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स को प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी हुई। खलील अहमद ने आर्या को अपना शिकार बनाया, जो 15 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तीसरे नंबर पर कप्तान श्रेयस अय्यर आए और उन्होंने प्रभसिमरन (54) के साथ 50 गेंदों में 72 रन जोड़े। दोनों ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं और टीम की जीत सुनिश्चित कर पवेलियन लौटे। अय्यर ने 41 गेंदों में 72 रन बनाए जिसमें पांच चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनके अलावा शशांक सिंह ने 23, नेहल वढेरा ने पांच और सूर्यांश शेडगे ने एक रन बनाया। वहीं, जोश इंग्लिस और मार्को यानसेन क्रमशः छह और चार रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले चेन्नई की शुरुआत खराब हुई थी। शेख रशीद और आयुष म्हात्रे क्रमशः 11 और सात रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद सैम करन ने मोर्चा संभाला। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से डेवाल्ड ब्रेविस के अलावा किसी का साथ नहीं मिला। दोनों ने 78 रनों की साझेदारी निभाई। करन ने सर्वाधिक 88 रनों की पारी खेली जबकि ब्रेविस ने 32 रन बनाए। उनके अलावा रवींद्र जडेजा ने 17, शिवम दुबे ने छह, महेंद्र सिंह धोनी ने 11 और दीपक हुड्डा ने दो रन बनाए। वहीं, अंशुल और नूर अपना खाता भी नहीं खोल पाए जबकि खलील खाता खोले बगैर नाबाद रहे। इस मैच में पंजाब के लिए युजवेंद्र चहल ने चार विकेट हासिल किए। वहीं, अर्शदीप सिंह और मार्को यानसेन को दो-दो सफलताएं मिलीं। अजमतुल्लाह उमरजई और हरप्रीत बराड़ ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

डिंग बाहर, सि जियाहुई ने क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

लंदन। चीन के दिग्गज स्नूकर खिलाड़ी डिंग जुन्हुई स्नूकर वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर हो गए। उन्हें गत चैम्पियन बेल्जियम के लुका ब्रेसेल ने 13-4 के बड़े अंतर से हराया। वहीं, उनके हमवतन और युवा खिलाड़ी सि जियाहुई ने लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

38 वर्षीय डिंग पहले ही सोमवार के फाइनल सत्र से पहले लगभग हार के करीब थे। वह ब्रेसेल से 12-4 से पीछे चल रहे थे। सोमवार को ब्रेसेल ने महज 15 मिनट में 71 अंकों की ब्रेक लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब वह क्वार्टरफाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 जुड ट्रंप से भिड़ेंगे। डिंग, जिनके नाम 15 रैंकिंग खिताब हैं, अभी तक वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब नहीं जीत सके हैं। इस साल उन्होंने जर्मनी के जाक सुरेटी को 10-7 से हराकर पांच साल में पहली बार टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई थी।

दूसरी ओर, 22 वर्षीय सि जियाहुई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिटेन के बेन वूलास्टन को 13-10 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। वर्ल्ड नंबर-13 सि अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए सात बार के विश्व चैंपियन ब्रिटेन के रॉनी ओ'सुलिवन से भिड़ेंगे। ओ'सुलिवन ने चीन के पांग जूनशू को 13-4 से हराया।

आई एम विजयन को मालाबार विशेष पुलिस बटालियन में डिप्टी कमांडेंट के पद पर पदोन्नत किया गया

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने भारतीय फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी आई एम विजयन के लिए मालाबार स्पेशल पुलिस बटालियन में डिप्टी कमांडेंट का अतिरिक्त पद सृजित करने और खेल में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें इस पद पर नियुक्त करने का आदेश पारित किया। विजयन वर्तमान में मालाबार विशेष पुलिस बटालियन में सहायक कमांडेंट हैं।

सरकार ने राज्य पुलिस प्रमुख को आदेश के बाद आगे की कार्रवाई करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। यह आदेश विजयन के पुलिस से सेवानिवृत्त होने से एक दिन पहले आया है।

आदेश के अनुसार, विजयन ने डिप्टी कमांडेंट के अतिरिक्त पद के सृजन का अनुरोध करते हुए देश और केरल राज्य के लिए खेल में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें उस पद पर नियुक्त करने की मांग की थी। आदेश में कहा गया है कि सरकार ने उनके अनुरोध पर विचार किया। उन्होंने खेल में अपने 'अमूल्य उपलब्धि' से देश और राज्य का गौरव बढ़ाया है। ऐसे में इसे एक विशेष मामले के रूप में स्वीकार करने का फैसला किया।

सरकार ने उन्हें 2021 में इंस्पेक्टर के पद से असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर पदोन्नत किया था। विजयन को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है और वह केरल पुलिस फुटबॉल टीम के निदेशक भी हैं। वह अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के तकनीकी समिति के प्रमुख भी हैं।

भारत में फुटबॉल को मिलेगा नया बूस्ट, प्रीमियर लीग मुंबई में खोलेगा ऑफिस

मुंबई। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) ने भारत में अपनी मौजूदगी को औपचारिक रूप देते हुए मुंबई में नया ऑफिस खोलने की घोषणा की है। इसका उद्देश्य भारतीय फैन्स के साथ जुड़ाव बढ़ाना, ग्रासरूट फुटबॉल को प्रमोट करना और देश में फुटबॉल के समग्र विकास में योगदान देना है।

भारत में यह ऑफिस प्रीमियर लीग की वैश्विक विस्तार योजना का हिस्सा है। इससे पहले 2019 में सिंगापुर, 2023 में न्यूयॉर्क और 2024 में बीजिंग में भी ऑफिस खोले जा चुके हैं। मुंबई ऑफिस का उद्घाटन इस रणनीति में एक अहम माइलस्टोन माना जा रहा है। यह नया ऑफिस प्रीमियर लीग को भारतीय फैन्स, ब्रॉडकास्ट पार्टनर्स और स्थानीय फुटबॉल बॉडीज़ के साथ ज्यादा करीबी से काम करने में सक्षम बनाएगा। खासतौर से

जियोस्टार जैसे ब्रॉडकास्ट पार्टनर्स के साथ मिलकर लीग, इवेंट्स और पार्टनरशिप एक्टिविटीज़ के ज़रिए फैन्स के अनुभव को और गहरा बनाएगी।

प्रीमियर लीग 2007 से 'प्रीमियर स्किल्स' प्रोग्राम के माध्यम से भारत में फुटबॉल डेवलपमेंट से जुड़ी हुई है। ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम के जरिए अब तक 18 राज्यों में 7,300 से ज्यादा कोच, रेफरी और फुटबॉल एजुकेटर्स को ट्रेन किया गया है, जिससे 1.24 लाख से अधिक युवाओं को लाभ मिला है। 2014 से प्रीमियर लीग और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की साझेदारी कई अहम पहलुओं गवर्नेंस, यूथ डेवलपमेंट और कोचिंग ट्रेनिंग पर केंद्रित रही है। 2019 में शुरू हुआ 'नेक्स्ट जेन कप' इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अंतरराष्ट्रीय यूथ टूर्नामेंट का छठा संस्करण मई 2025 में मुंबई में आयोजित होगा, जिसमें आईएसएल की यूथ टीमें प्रीमियर लीग क्लबों की अंडर-19 टीमों से भिड़ेंगी।

प्रीमियर लीग के चीफ एग्जीक्यूटिव रिचर्ड मास्टर्स ने मंगलवार को एक बयान में कहा, "भारत में हमारा एक शानदार और समझदार फैन्स बेस है। यहां पर हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को यह ऑफिस और मजबूत करेगा। हम इस क्षेत्र में संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं और इस पहल से भारतीय फुटबॉल में सार्थक योगदान देने की उम्मीद रखते हैं।"

सूर्यवंशी के पिता ने कहा, रॉयल्स और द्रविड़ का आभार व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं

पटना। अपने बेटे के क्रिकेट खेलने के सपने को पूरा करने में उनकी खेती की जमीन चली गई, लेकिन वैभव सूर्यवंशी के आईपीएल में धमाकेदार प्रदर्शन के बाद उनके पिता संजीव ने इस युवा बल्लेबाज को इस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले राजस्थान रॉयल्स और राहुल द्रविड़ का आभार व्यक्त किया।

बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले 14 वर्षीय सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ सोमवार को जयपुर में खेले गए मैच में 35 गेंद पर शतक लगाकर कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

बिहार क्रिकेट संघ द्वारा जारी किए गए वीडियो में संजीव ने कहा, ''उसने हमारे गांव, बिहार और पूरे भारत को गौरवान्वित किया है। हम इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकते और जश्न मना रहे हैं। मैं राजस्थान रॉयल्स को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने पिछले तीन-चार महीनों में उसका खेल निखारने पर बहुत काम किया।''

उन्होंने कहा, ''मैं वैभव के खेल में सुधार के लिए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बाकी सहयोगी स्टाफ को धन्यवाद देना चाहता हूं।

उसने खुद अपने खेल पर बहुत मेहनत की है और यह शतक उसी का परिणाम है।'''

रॉयल्स ने पिछले साल मेगा नीलामी में 1.10 करोड़ रुपये खर्च करके सूर्यवंशी को अपनी टीम से जोड़ा था जो उनके आधार मूल्य 30 लाख रुपये से लगभग चार गुना अधिक था।

डोपिंग के कारण दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन

ग्रैंड वर्ग में चिदंबरम संयुक्त रूप से शीर्ष पर

कार्यालय ग्राम पंचायत चंदनपुर खादर वि. ख.-गंगेश्वरी (अमरोहा)

पत्रांक : दिनांक 01.05.2025

पंचायती राज, लखनऊ के पत्र सं0-6/2222/2018-6/208-2/2024-25 दिनांक 17 दिसम्बर, 2024 का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा अवगत कराया गया है कि शासनादेश संख्या-42/2021/1235/33-3-2021- 989/2021 दिनांक 25 जुलाई, 2021 के द्वारा पंचायत सहायक/एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के चयन के सम्बन्ध में विस्तृत निर्देश निर्गत किये गये है (पताका 'ख')। ग्राम सचिवालयों के नियमित संचालन तथा ग्रामीणजनों को आवश्यक सेवायें उपलब्ध कराने हेतु जहाँ पर ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक/एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्टी आपरेटर का पद रिक्त है अथवा भविष्य में रिक्त होता है, उनमें चयन कर तैनाती हेतु निम्नवत कार्यवाही की जानी है-

1. चंदनपुर खादर में पंचायत सहायक के रिक्त पद को भरने हेतु ग्राम पंचायत से आवेदन चाहे गये हैं। इच्छुक अभ्यार्थी पंचायत सहायक पद हेतु अपना आवेदन पत्र दिनांक-04-05-2025 से 18-05-2025 तक जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय चंदनपुर खादर में जमा करा सकते हैं।
2. पंचायत सहायक पद हेतु शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट है तथा आवेदन कर्ता के लिये ग्राम पंचायत चंदनपुर खादर का निवासी होना अनिवार्य है।
3. ग्राम पंचायत चंदनपुर खादर में चूंकि प्रधानी पद का आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग में हैं इसलिए पंचायत सहायक के पद का आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग में रहेगा।
4. पूर्व में यहां तैनात पंचायत सहायक इस पद के आवेदन हेतू योग्य नही होगे।

ग्राम सचिवालय में पंचायत सहायक/अकाउन्टेंट कम डाटा एन्ट्री आपरेटर के चयन की समय सारणी

क्र0 सं0	कार्य	निर्धारित समय
1	ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत सहायक/अकाउन्टेंट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना, ग्राम पंचायत के सूचना पट एवं मुनादी द्वारा कराया जाना।	01 मई, 2025 से 03 मई, 2025 तक।
2	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की अवधि।	04 मई, 2025 से 18 मई, 2025 तक।
3	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय व विकास खण्ड कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराया जाना।	19 मई, 2025 से 26 मई, 2025 तक।
4	ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदन पत्रों की श्रेष्ठता सूची (मेरिट लिस्ट) तैयार करना एवं ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाना एवं समिति द्वारा अनुमोदित श्रेष्ठता सूची को जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ समिति के सदस्य सचिव (जिला पंचायत राज अधिकारी) को उपलब्ध कराया जाना।जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण एवं संस्तुति।	27 मई, 2025 से 03 जून, 2025 तक।
5	जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण एवं संस्तुति।	04 जून, 2025 से 11 जून, 2025 तक।
6	ग्राम पंचायत द्वारा नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाना।	12 जून, 2025 से 16 जून, 2025 तक।

सचिव/प्रधान
ग्राम पंचायत चंदनपुर खादर विकास खण्ड गंगेश्वरी (अमरोहा)

कार्यालय ग्राम पंचायत गांगटकोला वि. ख.-गंगेश्वरी (अमरोहा)

पत्रांक : दिनांक 01.05.2025

पंचायती राज, लखनऊ के पत्र सं0-6/2222/2018-6/208-2/2024-25 दिनांके 17 दिसम्बर, 2024 का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा अवगत कराया गया है कि शासनादेश संख्या-42/2021/1235/33-3-2021- 989/2021 दिनांक 25 जुलाई, 2021 के द्वारा पंचायत सहायक/एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के चयन के सम्बन्ध में विस्तृत निर्देश निर्गत किये गये है (पताका 'ख')। ग्राम सचिवालयों के नियमित संचालन तथा ग्रामीणजनों को आवश्यक सेवायें उपलब्ध कराने हेतु जहाँ पर ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक/एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्टी आपरेटर का पद रिक्त है अथवा भविष्य में रिक्त होता है, उनमें चयन कर तैनाती हेतु निम्नवत कार्यवाही की जानी है-

1. गांगटकोला में पंचायत सहायक के रिक्त पद को भरने हेतु ग्राम पंचायत से आवेदन चाहे गये हैं। इच्छुक अभ्यार्थी पंचायत सहायक पद हेतु अपना आवेदन पत्र दिनांक-04-05-2025 से 18-05-2025 तक जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय गांगटकोला में जमा करा सकते हैं।
2. पंचायत सहायक पद हेतु शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट है तथा आवेदन कर्ता के लिये ग्राम पंचायत गांगटकोला का निवासी होना अनिवार्य है।
3. ग्राम पंचायत गांगटकोला में चूंकि प्रधानी पद का आरक्षण अनुसूचित वर्ग में हैं इसलिए पंचायत सहायक के पद का आरक्षण अनुसूचित वर्ग में रहेगा।
4. पूर्व में यहां तैनात पंचायत सहायक इस पद के आवेदन हेतू योग्य नही होगे।

ग्राम सचिवालय में पंचायत सहायक/अकाउन्टेंट कम डाटा एन्ट्री आपरेटर के चयन की समय सारणी

क्र0 सं0	कार्य	निर्धारित समय
1	ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत सहायक/अकाउन्टेंट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना, ग्राम पंचायत के सूचना पट एवं मुनादी द्वारा कराया जाना।	01 मई, 2025 से 03 मई, 2025 तक।
2	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की अवधि।	04 मई, 2025 से 18 मई, 2025 तक।
3	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय व विकास खण्ड कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराया जाना।	19 मई, 2025 से 26 मई, 2025 तक।
4	ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदन पत्रों की श्रेष्ठता सूची (मेरिट लिस्ट) तैयार करना एवं ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाना एवं समिति द्वारा अनुमोदित श्रेष्ठता सूची को जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ समिति के सदस्य सचिव (जिला पंचायत राज अधिकारी) को उपलब्ध कराया जाना।जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण एवं संस्तुति।	27 मई, 2025 से 03 जून, 2025 तक।
5	जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण एवं संस्तुति।	04 जून, 2025 से 11 जून, 2025 तक।
6	ग्राम पंचायत द्वारा नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाना।	12 जून, 2025 से 16 जून, 2025 तक।

सचिव/प्रधान
ग्राम पंचायत गांगटकोला विकास खण्ड गंगेश्वरी (अमरोहा)

कार्यालय ग्राम पंचायत ओगारपुर वि. ख.-गंगेश्वरी (अमरोहा)

पत्रांक : दिनांक 01.05.2025

पंचायती राज, लखनऊ के पत्र सं0-6/2222/2018-6/208-2/2024-25 दिनांके 17 दिसम्बर, 2024 का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा अवगत कराया गया है कि शासनादेश संख्या-42/2021/1235/33-3-2021- 989/2021 दिनांक 25 जुलाई, 2021 के द्वारा पंचायत सहायक/एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के चयन के सम्बन्ध में विस्तृत निर्देश निर्गत किये गये है (पताका 'ख')। ग्राम सचिवालयों के नियमित संचालन तथा ग्रामीणजनों को आवश्यक सेवायें उपलब्ध कराने हेतु जहाँ पर ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक/एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्टी आपरेटर का पद रिक्त है अथवा भविष्य में रिक्त होता है, उनमें चयन कर तैनाती हेतु निम्नवत कार्यवाही की जानी है-

1. ओगारपुर में पंचायत सहायक के रिक्त पद को भरने हेतु ग्राम पंचायत से आवेदन चाहे गये हैं। इच्छुक अभ्यार्थी पंचायत सहायक पद हेतु अपना आवेदन पत्र दिनांक-04-05-2025 से 18-05-2025 तक जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय ओगारपुर में जमा करा सकते हैं।
2. पंचायत सहायक पद हेतु शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट है तथा आवेदन कर्ता के लिये ग्राम पंचायत ओगारपुर का निवासी होना अनिवार्य है।
3. ग्राम पंचायत ओगारपुर में चूंकि प्रधानी पद का आरक्षण अनारक्षित वर्ग में हैं इसलिए पंचायत सहायक के पद का आरक्षण अनारक्षित वर्ग में रहेगा।
4. पूर्व में यहां तैनात पंचायत सहायक इस पद के आवेदन हेतू योग्य नही होगे।

ग्राम सचिवालय में पंचायत सहायक/अकाउन्टेंट कम डाटा एन्ट्री आपरेटर के चयन की समय सारणी

क्र0 सं0	कार्य	निर्धारित समय
1	ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत सहायक/अकाउन्टेंट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना, ग्राम पंचायत के सूचना पट एवं मुनादी द्वारा कराया जाना।	01 मई, 2025 से 03 मई, 2025 तक।
2	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की अवधि।	04 मई, 2025 से 18 मई, 2025 तक।
3	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय व विकास खण्ड कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराया जाना।	19 मई, 2025 से 26 मई, 2025 तक।
4	ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदन पत्रों की श्रेष्ठता सूची (मेरिट लिस्ट) तैयार करना एवं ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाना एवं समिति द्वारा अनुमोदित श्रेष्ठता सूची को जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ समिति के सदस्य सचिव (जिला पंचायत राज अधिकारी) को उपलब्ध कराया जाना।जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण एवं संस्तुति।	27 मई, 2025 से 03 जून, 2025 तक।
5	जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण एवं संस्तुति।	04 जून, 2025 से 11 जून, 2025 तक।
6	ग्राम पंचायत द्वारा नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाना।	12 जून, 2025 से 16 जून, 2025 तक।

सचिव/प्रधान
ग्राम पंचायत ओगारपुर विकास खण्ड गंगेश्वरी (अमरोहा)

कार्यालय ग्राम पंचायत पौरारा मुस्तकम वि. ख.-गंगेश्वरी (अमरोहा)

पत्रांक : दिनांक 01.05.2025

पंचायती राज, लखनऊ के पत्र सं0-6/2222/2018-6/208-2/2024-25 दिनांके 17 दिसम्बर, 2024 का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा अवगत कराया गया है कि शासनादेश संख्या-42/2021/1235/33-3-2021- 989/2021 दिनांक 25 जुलाई, 2021 के द्वारा पंचायत सहायक/एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के चयन के सम्बन्ध में विस्तृत निर्देश निर्गत किये गये है (पताका 'ख')। ग्राम सचिवालयों के नियमित संचालन तथा ग्रामीणजनों को आवश्यक सेवायें उपलब्ध कराने हेतु जहाँ पर ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक/एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्टी आपरेटर का पद रिक्त है अथवा भविष्य में रिक्त होता है, उनमें चयन कर तैनाती हेतु निम्नवत कार्यवाही की जानी है-

1. पौरारा मुस्तकम में पंचायत सहायक के रिक्त पद को भरने हेतु ग्राम पंचायत से आवेदन चाहे गये हैं। इच्छुक अभ्यार्थी पंचायत सहायक पद हेतु अपना आवेदन पत्र दिनांक-04-05-2025 से 18-05-2025 तक जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय पौरारा मुस्तकम में जमा करा सकते हैं।
2. पंचायत सहायक पद हेतु शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट है तथा आवेदन कर्ता के लिये ग्राम पंचायत पौरारा मुस्तकम का निवासी होना अनिवार्य है।
3. ग्राम पंचायत पौरारा मुस्तकम में चूंकि प्रधानी पद का आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग में हैं इसलिए पंचायत सहायक के पद का आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग में रहेगा।
4. पूर्व में यहां तैनात पंचायत सहायक इस पद के आवेदन हेतू योग्य नही होगे।

ग्राम सचिवालय में पंचायत सहायक/अकाउन्टेंट कम डाटा एन्ट्री आपरेटर के चयन की समय सारणी

क्र0 सं0	कार्य	निर्धारित समय
1	ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत सहायक/अकाउन्टेंट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना, ग्राम पंचायत के सूचना पट एवं मुनादी द्वारा कराया जाना।	01 मई, 2025 से 03 मई, 2025 तक।
2	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की अवधि।	04 मई, 2025 से 18 मई, 2025 तक।
3	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय व विकास खण्ड कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराया जाना।	19 मई, 2025 से 26 मई, 2025 तक।
4	ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदन पत्रों की श्रेष्ठता सूची (मेरिट लिस्ट) तैयार करना एवं ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाना एवं समिति द्वारा अनुमोदित श्रेष्ठता सूची को जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ समिति के सदस्य सचिव (जिला पंचायत राज अधिकारी) को उपलब्ध कराया जाना।जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण एवं संस्तुति।	27 मई, 2025 से 03 जून, 2025 तक।
5	जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण एवं संस्तुति।	04 जून, 2025 से 11 जून, 2025 तक।
6	ग्राम पंचायत द्वारा नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाना।	12 जून, 2025 से 16 जून, 2025 तक।

सचिव/प्रधान
ग्राम पंचायत पौरारा मुस्तकम विकास खण्ड गंगेश्वरी (अमरोहा)

सार समाचार

इंडसइंड बैंक के डिप्टी सीईओ अरुण खुराना ने लेखा चूक पर इस्तीफा दिया

मुंबई। निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुण खुराना ने वित्त वर्ष २०२४-२५ के बहीखाते में 1,960 करोड़ रुपये की लागत वाली लेखा चूक सामने आने के बाद इस्तीफा दे दिया है। खुराना बैंक के 'ट्रेजरी फ्रंट ऑफिस' के कामकाज की देखरेख करते थे, जहां लेनदेन निष्पादित करने और जोखिम प्रबंधन के लिए बाहरी ग्राहकों और बाजारों के साथ सीधे संपर्क किया जाता है। खुराना ने सोमवार को बैंक के निदेशक मंडल को भेजे अपने त्यागपत्र में कहा, "हाल के दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रमों को देखते हुए मैं तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं।" उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रमों के तहत आंतरिक वायदा एवं विकल्प सौदों के लिए गलत लेखांकन के चलते बैंक को हुए नुकसान का जिक्र किया। उन्होंने पूर्णकालिक निदेशक, डिप्टी सीईओ और बैंक के वरिष्ठ प्रबंधन के एक हिस्से के रूप में अपना पदभार छोड़ दिया है। इंडसइंड बैंक ने सोमवार शाम को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि खुराना का इस्तीफा २८ अप्रैल, २०२५ से प्रभावी हो गया है।

ग्रीनप्लाई का चौथी तिमाही में मुनाफा 41.5 प्रतिशत घटकर 16.6 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। प्लाईवुड उद्योग की अग्रणी कंपनियों में से एक ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड का वित्त वर्ष २०२४-२५ की चौथी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 41.45 प्रतिशत घटकर 16.60 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी का वित्त वर्ष २०२३-२४ की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ २८.३६ करोड़ रुपये रहा था। ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च २०२५ में कंपनी की परिचालन आय 8.16 प्रतिशत बढ़कर 648.77 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले इसी अवधि में यह 599.78 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनोज तुलस्यान ने कहा, "चुनौतीपूर्ण बाजार परिदृश्य में चौथी तिमाही के लिए प्लाईवुड व्यवसाय में वृद्धि संतोषजनक रही। उच्च ब्रांड प्रचार व्यय के बावजूद वित्त वर्ष २०२४-२५ की चौथी तिमाही में 'मार्जिन' सुधार के साथ 9.२ प्रतिशत हो गया।" समूचे वित्त वर्ष २०२४-२५ में शुद्ध लाभ 31.१२ प्रतिशत बढ़कर 91.7२ करोड़ रुपये हो गया।

फिसलकर संभला घरेलू शेयर बाजार, दो दिन से जारी बढ़त बरकरार

मुंबई। दो दिन की बढ़त के बाद घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत बुधवार को लाल निशान पर हुई। शुरुआती कारोबार में संसेक्स 232.51 अंक गिरकर 80,055.87 अंक पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 67.15 अंक गिरकर 24,268.80 अंक पर आ गया। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही बाजार हरे निशान पर आ गया।

बुधवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट के बाद इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी लौटी। विदेशी फंडों की लगातार आवक और अमेरिकी बाजारों में तेजी के बीच शेयर बाजार नकारात्मक रुख पर खुला। हालांकि, बाद में वह पटरी पर लौट आया। 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क सूचकांक शुरुआती कारोबार में 232.51 अंक गिरकर 80,055.87 अंक पर आ गया।

एनएसई निफ्टी 67.15 अंक गिरकर 24,268.80 अंक पर पहुंचा। बाद में दोनों बेंचमार्क सूचकांकों ने वापसी की और सकारात्मक दायरे में कारोबार करने लगे। सेंसेक्स 76.72 अंक बढ़कर 80,365.10 और निफ्टी 23.30 अंक बढ़कर 24,359.25 अंक पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व में छह प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि बजाज फाइनेंस में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई। बजाज फिनसर्व लिमिटेड (बीएफएल) ने मंगलवार को मार्च 2025 को समाप्त चौथी तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ में 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,417 करोड़ रुपये की रिपोर्ट किया था।

टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट 30-शेयर पैक से पिछड़ते दिख रहे शेयरों में शामिल थे। पावर ग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति फायदे में रहे। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 2,385.61 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स और शंघाई एसएसई कंपोजिट कम कारोबार कर रहे थे, जबकि टोक्यो का निक्केई 225 और हांगकांग का हैंग सेंग ऊपर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुए।

सही रणनीतियों के बल पर आगे बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था सही रणनीतियों, लगातार घरेलू सुधारों और बुनियादी ढांचे के विकास तथा रोजगार सृजन पर पुरजोर ध्यान देकर आगे बढ़ेगी।

वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। आर्थिक मामलों के विभाग की मासिक आर्थिक समीक्षा के मार्च संस्करण में कहा गया कि भारत की दीर्घकालिक वृद्धि वृहद आर्थिक स्थिरता, लचीला बाहरी क्षेत्र, राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण, कम होती मुद्रास्फीति, बेहतर रोजगार संभावनाओं और उच्च उपभोग व्यय से प्रेरित है।

इसमें कहा गया कि इस स्थिरता की कुंजी निजी पूंजी निर्माण के पास है और नियामक उपाय निजी क्षेत्र को अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं भारत के लिए चुनौतियां पेश कर रही हैं, लेकिन साथ ही इस वजह से तुलनात्मक बढ़त का लाभ उठाकर

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विनिर्माण में अपनी स्थिति को मजबूत करने का मौका भी है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने के साथ, भारत इन जोखिमों को कम कर सकता है। देश रणनीतिक व्यापार वार्ता, घरेलू सुधारों और विनिर्माण निवेशों में उभरते अवसरों का लाभ उठा सकता है।

मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक घटनाक्रमों से पैदा हुई अनिश्चितताएं वित्त वर्ष 2025-26 में वृद्धि के लिहाज से एक प्रमुख जोखिम हैं। निजी क्षेत्र और नीति निर्माताओं को इस जोखिम के प्रति सचेत रहना चाहिए और अनिश्चितता को खुद पर हावी होने से रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

जवाबी शुल्क लगने से एमएसएमई के लिए बढ़ेगा तनाव: इंडिया रेटिंग्स

नई दिल्ली। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने कहा कि अमेरिका की तरफ से कई उत्पादों पर लगाए गए जवाबी शुल्क देश के मध्यम, लघु और सूक्ष्म उद्यमों (एमएसएमई) के लिए तनाव बढ़ाएंगे।

घरेलू रेटिंग एजेंसी ने कहा कि एमएसएमई के मुकाबले मध्यम आकार की कंपनियों के पास अप्रत्याशित वित्तीय झटकों का मुकाबला करने की अधिक क्षमता है।

इंडिया रेटिंग्स का अनुमान है कि अप्रैल 2025 में शुल्क युद्ध तेज होने के कारण परिचालन स्थितियों के बिगड़ने के साथ एमएसएमई अधिक कमजोर हो जाएंगे। ऐसा खासतौर से उन क्षेत्रों में होगा, जहां शुल्क युद्ध का प्रभाव नकारात्मक है।

रेटिंग एजेंसी ने 31 मार्च, 2024 तक की स्थिति के विश्लेषण के आधार पर सुझाव दिया कि 11

प्रतिशत मध्यम स्तर की कंपनियों की तुलना में 23 प्रतिशत एमएसएमई तनावग्रस्त रहे।

विश्लेषण में यह भी कहा गया कि व्यापार चक्रों का प्रबंधन करने के लिए मध्यम कॉरपोरेट कोविड से पहले के स्तरों की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च में संयुक्त निदेशक नीर्मय शाह ने कहा कि एमएसएमई को मध्यम कंपनियों की तुलना में कार्यशील पूंजी के मुद्दों से अधिक जूझना पड़ता है, और उन्हें इसका मुकाबला करने के लिए प्रतिस्पर्धी दरों पर पर्याप्त वित्त की जरूरत होती है।

चांदी में आसान निवेश के लिए डीएसपी म्यूचुअल फंडव्दारा

डीएसपी सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड योजना का शुभारंभ

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने अपनी नई ओपन-एंडेड स्कीम, डीएसपी सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड का शुभारंभ करणे की घोषणा की है। यह फंड निवेशकों को म्यूचुअल फंड के माध्यम से बहुत लचीले और सुनियोजित तरीके से बहुमूल्य धातु चांदी में निवेश करने का आसान तरीका प्रदान कर रहा है। यह नई फंड ऑफ फंड प्रकार की योजना डीएसपी सिल्वर ईटीएफ की इकाइयों में निवेश करेगी और इस प्रकार से स्थानीय बाजार में भौतिक चांदी के प्रदर्शन के अनुरूप रिटर्न प्रदान करेगी।

योजना का एनएफओ प्रारंभिक निवेश के लिए खुल गया है और 9 मई 2025 को बंद होगा।

चांदी अब विभिन्न उद्योगों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही

है। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव, ऊर्जा और आभूषण उद्योगों में चांदी एक महत्वपूर्ण घटक बन गई है। नवीकरणीय और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर विश्व का बढ़ता कदम भविष्य में चांदी की मांग को और बढ़ाएगा। चांदी की आपूर्ति में वृद्धि हमेशा सीमित रही है तथा पिछले कुछ वर्षों में इसमें लगातार गिरावट देखी गई है। 2025 लगातार पांचवां वर्ष होगा जब मांग आपूर्ति से अधिक हो जाएगी। वार्षिक मांग की तुलना में आपूर्ति में कमी 20 प्रतिशत से अधिक है।

अतीत में जब भी ऐसी कमी हुई है, तो यह देखा गया है कि चांदी में निवेश की थोड़ी वृद्धि के कारण कीमत में उछाल आया है। चूंकि चांदी की कीमतें अमेरिकी डॉलर में निर्धारित होती हैं, इसलिए भारतीय निवेशकों को डॉलर के मूल्य में गिरावट से लाभ मिलने की संभावना है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिकी डॉलर की तुलना में रुपए में चांदी की कीमत ने अच्छा प्रदर्शन किया है। विशेषकर रुपए के कमजोर होने के बाद चांदी ने निवेशकों को अतिरिक्त लाभ प्रदान किया है।

डीएसपी सिल्वर फंड ऑफ फंड, लेनदेन के लिए डीमैट खाता खोले बिना, डिजिटल रूप में बहुत सुविधाजनक तरीके से चांदी जैसी कीमती धातुओं के स्वामित्व का लाभ प्रदान कर रहा है। इसके साथ ही यह फंड एसआईपी के माध्यम से चांदी में निवेश करने का एक बहुत ही सुनियोजित तरीका भी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, यह फंड निवेशकों को एक विशिष्ट अवधि तक निवेश बनाए रखने की आवश्यकता के बिना यूनिटों को बेचने की सुविधा भी प्रदान करता है।

नए फंड के लॉन्च पर बोलते हुए, डीएसपी म्यूचुअल फंड के सीएफए और पैसिव इन्वेस्टमेंट एंड प्रोडक्ट्स के प्रमुख अनिल घेलानी ने कहा, ‟वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और अनिश्चितता के समय में चांदी और सोने जैसी कीमती धातुएं निवेशकों के लिए सुरक्षित पनाहगाह हैं। उन निवेशकों के लिए मुद्रास्फीति के खिलाफ बचाव के रूप में भी यह धातू काम करते हैं, जिन्हें डर है कि मौजूदा व्यापार युद्ध और व्यापार शुल्क तनाव मुद्रास्फीति में उछाल लाएंगे। लेकिन निवेश की मांग के साथ-साथ, चांदी की वार्षिक मांग का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा औद्योगिक इस्तेमाल से जुडा है। जैसे-जैसे दुनिया भर के कई देश स्वच्छ ऊर्जा और नई प्रौद्योगिकियों की ओर बढ़ रहे हैं, भविष्य में ईवी वाहनों, सौर पैनलों और 5जी नेटवर्क में चांदी का औद्योगिक उपयोग बढ़ता रहेगा। यदि हम वर्तमान सोना/चांदी अनुपात की जांच करें और इसकी तुलना दीर्घकालिक आंकड़ों से करें तो यह स्पष्ट है कि, चांदी की कीमतें अपेक्षाकृत कम हैं और भविष्य में चांदी का प्रदर्शन और भी बेहतर होने की संभावना है। हालांकि, निवेशकों को रिटर्न में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव की संभावना पर भी विचार करना होगा।"

सस्ते स्टेनलेस स्टील आयात से सुरक्षा देने को कदम उठाए सरकार: उद्योग निकाय

नई दिल्ली। घरेलू स्टेनलेस स्टील उद्योग ने स्थानीय विनिर्माताओं के हितों की रक्षा करने के लिए सरकार से सुरक्षात्मक शुल्क जैसे कदम उठाने का आग्रह किया है।

भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) ने तैयार स्टील के बढ़ते आयात को भारतीय उद्योग के लिए बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि उच्च लागत और बाजार की अस्थिरता से जूझ रहे स्थानीय उत्पादकों को अब सस्ते आयात से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

उद्योग निकाय के अध्यक्ष राजमणि कृष्णमूर्ति ने इस स्थिति से निपटने के लिए 'मेक इन इंडिया' पहल पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही। इसमें आयात शुल्क बढ़ाना, घरेलू उत्पादन क्षमता में सुधार करना और अनुचित व्यापार प्रथाओं पर ध्यान देना शामिल है।

जिंदल स्टेनलेस के विजय शर्मा ने चीन के खिलाफ मुकाबले में समुचित अवसर की उम्मीद जताते हुए कहा कि चीन से सस्ता आयात पड़ोसी आसियान देशों के रास्ते भारत में खपाया जा रहा है।

शर्मा ने कहा, 'हम सभी भारत में चीनी मूल के घटिया स्टेनलेस स्टील की डंपिंग लगातार जारी रहने से अवगत हैं। इसका हमारे घरेलू उत्पादकों, खासकर एमएसएमई इकाइयों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।' बाजार शोध फर्म बिगमिंट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का स्टेनलेस स्टील आयात लगभग तीन प्रतिशत बढ़कर 17.3 करोड़ टन हो गया जिसमें चीन, इंडोनेशिया, वियतनाम और दक्षिण कोरिया का मुख्य योगदान है।

राजपूताना स्टेनलेस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी यश मेहता ने इस आयात को कम करने के लिए सुरक्षात्मक शुल्क लगाने की जरूरत बताई है।

स्टेनलेस स्टील उद्योग के हितधारक जून में होने वाले वैश्विक स्टेनलेस स्टील शिखर सम्मेलन 2025 में इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

एलपीजी घाटे, रिफाइनरी मार्जिन में कमी के कारण बीपीसीएल का शुद्ध लाभ 24 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का एकल आधार पर शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में 24 प्रतिशत घटकर 3,214.06 करोड़ रुपये रहा।

कंपनी ने मंगलवार को बताया कि सब्सिडी वाले घरेलू रसोई गैस एलपीजी की बिक्री में घाटे और कम रिफाइनिंग मार्जिन के कारण उसका मुनाफा घटा।

बीपीसीएल ने शेयर बाजार को बताया कि जनवरी-मार्च 2025 में उसका एकल शुद्ध लाभ 3,214.06 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4,224.18 करोड़ रुपये था। वहीं तिमाही आधार पर मुनाफा तिमाही आधार पर 31 प्रतिशत घटा। पिछली तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में कंपनी को 4,649.20 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। बीपीसीएल और दूसरे सरकारी स्वामित्व वाले ईंधन खुदरा

विक्रेताओं ने लागत से कम दरों पर रसोई गैस एलपीजी बेची, लेकिन सरकार ने 2024-25 में उसकी क्षतिपूर्ति नहीं की।

बीपीसीएल ने शेयर बाजार को बताया कि जनवरी-मार्च तिमाही में लागत से कम कीमत पर घरेलू एलपीजी बेचने पर उसे 3,217.82 करोड़ रुपये और पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में 10,446.38 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

बीपीसीएल ने प्रत्येक बैरल कच्चे तेल को ईंधन में बदलने पर 6.82 डॉलर कमाए, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 14.14 डॉलर प्रति बैरल के सकल रिफाइनिंग मार्जिन से कम है।

बीती तिमाही में परिचालन राजस्व चार प्रतिशत घटकर 1.26 लाख करोड़ रुपये रहा।

कंपनी के निदेशक मंडल ने पांच रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की घोषणा की। यह वित्त वर्ष 2024-25 में पहले दिए गए पांच रुपये के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है।

रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ 85 .25 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी डॉलर में सुधार और भारत एवं पाकिस्तान के बीच भू-राजनीतिक तनाव के बीच रुपया सीमित दायरे में रहा और दो पैसे की गिरावट के साथ 85.25 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

हालांकि, मुद्रा विश्लेषकों ने कहा कि सकारात्मक घरेलू बाजार और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने घरेलू मुद्रा की गिरावट को सीमित रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.06 पर खुला था। कारोबार के दौरान रुपया 84.96 प्रति डॉलर के ऊपरी और 85.40 प्रति डॉलर के निचले स्तर के बीच घूमता रहा।

कारोबार के अंत में रुपया 85.25 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया 18 पैसे मजबूत होकर 85.23 प्रति डॉलर के भाव पर रहा था।

मिराए एसेट शेयरखान के अनुसंधान विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ''व्यापार शुल्कों पर अनिश्चितता और भारत एवं पाकिस्तान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव से रुपये के दबाव में रहने की आशंका है।''

उन्होंने कहा, ''अमेरिकी डॉलर-भारतीय रुपया का हाजिर मूल्य 84.90 से 85.60 के बीच रहने के आसार हैं।''

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.17 पर रहा।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.78 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 70.01 अंक की बढ़त के साथ 80,288.38 अंक पर जबकि निफ्टी 7.45 अंक चढ़कर 24,335.95 अंक पर बंद हुआ।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2,474.10 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बौद्धिक संपदा संरक्षण पर भारत को अमेरिका ने फिर निगरानी सूची में डाला

नई दिल्ली। अमेरिका ने भारत को बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के संरक्षण एवं अनुपालन के लिहाज से सबसे चुनौतीपूर्ण प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बताते हुए उसे एक बार फिर अपनी 'प्राथमिक निगरानी सूची' में रख दिया।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की '2025 स्पेशल 301' रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक साल में बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण और प्रवर्तन के मामले में भारत की प्रगति संतोषजनक नहीं रही है।

हालांकि रिपोर्ट कहती है कि भारत ने अपनी बौद्धिक संपदा

प्रणाली को मजबूत करने के लिए काम किया है लेकिन लंबे समय से चली आ रही कई आईपी चिंताओं पर अब भी खास प्रगति नहीं हो पाई है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत आईपी के संरक्षण और प्रवर्तन के संबंध में दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ हैभारत 2025 में प्राथमिकता निगरानी सूची में बना हुआ है।' रिपोर्ट के मुताबिक, पेटेंट मुद्दे भारत में विशेष चिंता का विषय बने हुए हैं। पेटेंट निरस्त होने का संभावित खतरा और भारतीय पेटेंट अधिनियम के तहत पेटेंट पात्रता मानदंडों का प्रक्रियात्मक और विवेकाधीन इस्तेमाल विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों को प्रभावित करता है।

अमेरिकी रिपोर्ट कहती है कि भारत में आवेदकों को आम तौर पर पेटेंट पाने के लिए लंबा इंतजार और अत्यधिक रिपोर्टिंग प्रावधानों का सामना करना पड़ता है। हितधारकों का भारतीय पेटेंट अधिनियम की व्याख्या में अस्पष्टता पर चिंता व्यक्त करना जारी है।'

यूएसटीआर की रिपोर्ट कहती है कि भारत सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) उत्पादों, सौर ऊर्जा उपकरण, चिकित्सा उपकरणों, दवाओं और पूंजीगत वस्तुओं जैसे आईपी-गहन उत्पादों पर उच्च सीमा शुल्क लगाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आईपी कार्यालय के संचालन और प्रक्रियाओं में सुधार के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदम सराहनीय हैं लेकिन समग्र बौद्धिक संपदा अनुपालन नाकाफी है।

इसमें यह भी कहा गया है कि अमेरिका भारत के साथ आईपी मामलों पर बातचीत जारी रखने का इरादा रखता है, जिसमें व्यापार नीति मंच के बौद्धिक संपदा कार्य समूह के माध्यम से बातचीत भी शामिल है।

रिपोर्ट में भारत सहित आठ देशों को अपनी 'प्राथमिक निगरानी सूची' में रखा गया है। इस सूची में चीन, इंडोनेशिया, रूस, अर्जेंटीना और वेनेजुएला जैसे देश भी शामिल हैं।

चेपॉक में चेन्नई की लगातार पांचवीं हार, प्लेऑफ की दौड़ से बाहर; पंजाब दूसरे स्थान पर पहुंची

चेन्नई। युजवेंद्र चहल की घातक गेंदबाजी के बाद प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारी के दम पर पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को उनके घर में चार विकेट से हरा दिया। बुधवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई ने 19.2 ओवर में 10 विकेट खोकर 190 रन बनाए। उनके लिए सैम करन ने अर्धशतकीय पारी खेली। जवाब में पंजाब ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 196 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सीएसके के लिए खलील अहमद और मथीशा पथिराना ने दो-दो विकेट लिए जबकि रवींद्र जडेजा और नूर अहमद को एक-एक सफलता मिली।

10 में से आठ मुकाबले गंवा चुकी चेन्नई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है। चार अंक और -1.211 के नेट रन रेट के साथ टीम 10वें पायदान पर है जबकि पंजाब तीन स्थानों की छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई। अब उनके 13 अंक हो गए हैं और उनका नेट रन रेट 0.199 हो गया। वहीं, शीर्ष पर 14 अंकों के साथ आरसीबी काबिज है।

चेपॉक में लगातार पांच मैचों में हार के साथ चेन्नई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली इस सत्र की पहली टीम है। ऐसा पहली बार हुआ है जब चेन्नई ने घरेलू मैदान पर लगातार पांच मुकाबलों में शिकस्त झेली है। इससे पहले 2008 और 2012 में फ्रेंचाइजी ने लगातार चार-चार मैच हारे थे।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स को प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी हुई। खलील अहमद ने आर्या को अपना शिकार बनाया, जो 15 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तीसरे नंबर पर कप्तान श्रेयस अय्यर आए और उन्होंने प्रभसिमरन (54) के साथ 50 गेंदों में 72 रन जोड़े। दोनों ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं और टीम की जीत सुनिश्चित कर पवेलियन लौटे। अय्यर ने 41 गेंदों में 72 रन बनाए जिसमें पांच चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनके अलावा शशांक सिंह ने 23, नेहल वढेरा ने पांच और सूर्यांश शेडगे ने एक रन बनाया। वहीं, जोश इंग्लिस और मार्को यानसेन क्रमशः छह और चार रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले चेन्नई की शुरुआत खराब हुई थी। शेख रशीद और आयुष म्हात्रे क्रमशः 11 और सात रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद सैम करन ने मोर्चा संभाला। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से डेवाल्ड ब्रेविस के अलावा किसी का साथ नहीं मिला। दोनों ने 78 रनों की साझेदारी निभाई। करन ने सर्वाधिक 88 रनों की पारी खेली जबकि ब्रेविस ने 32 रन बनाए। उनके अलावा रवींद्र जडेजा ने 17, शिवम दुबे ने छह, महेंद्र सिंह धोनी ने 11 और दीपक हुड्डा ने दो रन बनाए। वहीं, अंशुल और नूर अपना खाता भी नहीं खोल पाए जबकि खलील खाता खोले बगैर नाबाद रहे। इस मैच में पंजाब के लिए युजवेंद्र चहल ने चार विकेट हासिल किए। वहीं, अर्शदीप सिंह और मार्को यानसेन को दो-दो सफलताएं मिलीं। अजमतुल्लाह उमरजई और हरप्रीत बराड़ ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

डिंग बाहर, सि जियाहुई ने क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

लंदन। चीन के दिग्गज स्नूकर खिलाड़ी डिंग जुन्हुई स्नूकर वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर हो गए। उन्हें गत चैम्पियन बेल्जियम के लुका ब्रेसेल ने 13-4 के बड़े अंतर से हराया। वहीं, उनके हमवतन और युवा खिलाड़ी सि जियाहुई ने लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

38 वर्षीय डिंग पहले ही सोमवार के फाइनल सत्र से पहले लगभग हार के करीब थे। वह ब्रेसेल से 12-4 से पीछे चल रहे थे। सोमवार को ब्रेसेल ने महज 15 मिनट में 71 अंकों की ब्रेक लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब वह क्वार्टरफाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 जुड ट्रंप से भिड़ेंगे। डिंग, जिनके नाम 15 रैंकिंग खिताब हैं, अभी तक वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब नहीं जीत सके हैं। इस साल उन्होंने जर्मनी के जाक सुरेटी को

10-7 से हराकर पांच साल में पहली बार टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई थी।

दूसरी ओर, 22 वर्षीय सि जियाहुई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिटेन के बेन वूलास्टन को 13-10 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। वर्ल्ड नंबर-13 सि अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए सात बार के विश्व चैंपियन ब्रिटेन के रॉनी ओ'सुलिवन से भिड़ेंगे। ओ'सुलिवन ने चीन के पांग जूनशू को 13-4 से हराया।

आई एम विजयन को मालाबार विशेष पुलिस बटालियन में डिप्टी कमांडेंट के पद पर पदोन्नत किया गया

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने भारतीय फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी आई एम विजयन के लिए मालाबार स्पेशल पुलिस बटालियन में डिप्टी कमांडेंट का अतिरिक्त पद सृजित करने और खेल में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें इस पद पर नियुक्त करने का आदेश पारित किया। विजयन वर्तमान में मालाबार विशेष पुलिस बटालियन में सहायक कमांडेंट हैं।

सरकार ने राज्य पुलिस प्रमुख को आदेश के बाद आगे की कार्रवाई करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। यह आदेश विजयन के पुलिस से सेवानिवृत्त होने से एक दिन पहले आया है।

आदेश के अनुसार, विजयन ने डिप्टी कमांडेंट के अतिरिक्त पद के सृजन का अनुरोध करते हुए देश और केरल राज्य के लिए खेल में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें उस पद पर नियुक्त करने की मांग की थी। आदेश में कहा गया है कि सरकार ने उनके अनुरोध पर विचार किया। उन्होंने खेल में अपने 'अमूल्य उपलब्धि' से देश और राज्य का गौरव बढ़ाया है। ऐसे में इसे एक विशेष मामले के रूप में स्वीकार करने का फैसला किया।

सरकार ने उन्हें 2021 में इंस्पेक्टर के पद से असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर पदोन्नत किया था। विजयन को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है और वह केरल पुलिस फुटबॉल टीम के निदेशक भी हैं। वह अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के तकनीकी समिति के प्रमुख भी हैं।

भारत में फुटबॉल को मिलेगा नया बूस्ट, प्रीमियर लीग मुंबई में खोलेगा ऑफिस

मुंबई। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) ने भारत में अपनी मौजूदगी को औपचारिक रूप देते हुए मुंबई में नया ऑफिस खोलने की घोषणा की है। इसका उद्देश्य भारतीय फैन्स के साथ जुड़ाव बढ़ाना, ग्रासरूट फुटबॉल को प्रमोट करना और देश में फुटबॉल के समग्र विकास में योगदान देना है।

भारत में यह ऑफिस प्रीमियर लीग की वैश्विक विस्तार योजना का हिस्सा है। इससे पहले 2019 में सिंगापुर, 2023 में न्यूयॉर्क और 2024 में बीजिंग में भी ऑफिस खोले जा चुके हैं। मुंबई ऑफिस का उद्घाटन इस रणनीति में एक अहम माइलस्टोन माना जा रहा है। यह नया ऑफिस प्रीमियर लीग को भारतीय फैन्स, ब्रॉडकास्ट पार्टनर्स और स्थानीय फुटबॉल बॉडीज़ के साथ ज्यादा करीबी से काम करने में सक्षम बनाएगा। खासतौर से

जियोस्टार जैसे ब्रॉडकास्ट पार्टनर्स के साथ मिलकर लीग, इवेंट्स और पार्टनरशिप एक्टिविटीज़ के ज़रिए फैन्स के अनुभव को और गहरा बनाएगी।

प्रीमियर लीग 2007 से 'प्रीमियर स्किल्स' प्रोग्राम के माध्यम से भारत में फुटबॉल डेवलपमेंट से जुड़ी हुई है। ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम के जरिए अब तक 18 राज्यों में 7,300 से ज्यादा कोच, रेफरी और फुटबॉल एजुकेटर्स को ट्रेन किया गया है, जिससे 1.24 लाख से अधिक युवाओं को लाभ मिला है। 2014 से प्रीमियर लीग और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की साझेदारी कई अहम पहलुओं गवर्नेंस, यूथ डेवलपमेंट और कोचिंग ट्रेनिंग पर केंद्रित रही है। 2019 में शुरू हुआ 'नेक्स्ट जेन कप' इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अंतरराष्ट्रीय यूथ टूर्नामेंट का छठा संस्करण मई 2025 में मुंबई में आयोजित होगा, जिसमें आईएसएल की यूथ टीमें प्रीमियर लीग क्लबों की अंडर-19 टीमों से भिड़ेंगी।

प्रीमियर लीग के चीफ एग्जीक्यूटिव रिचर्ड मास्टर्स ने मंगलवार को एक बयान में कहा, "भारत में हमारा एक शानदार और समझदार फैन्स बेस है। यहां पर हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को यह ऑफिस और मजबूत करेगा। हम इस क्षेत्र में संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं और इस पहल से भारतीय फुटबॉल में सार्थक योगदान देने की उम्मीद रखते हैं।"

सूर्यवंशी के पिता ने कहा, रॉयल्स और द्रविड़ का आभार व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं

पटना। अपने बेटे के क्रिकेट खेलने के सपने को पूरा करने में उनकी खेती की जमीन चली गई, लेकिन वैभव सूर्यवंशी के आईपीएल में धमाकेदार प्रदर्शन के बाद उनके पिता संजीव ने इस युवा बल्लेबाज को इस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले राजस्थान रॉयल्स और राहुल द्रविड़ का आभार व्यक्त किया।

बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले 14 वर्षीय सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ सोमवार को जयपुर में खेले गए मैच में 35 गेंद पर शतक लगाकर कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

बिहार क्रिकेट संघ द्वारा जारी किए गए वीडियो में संजीव ने कहा, ''उसने हमारे गांव, बिहार और पूरे भारत को गौरवान्वित किया है। हम इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकते और जश्न मना रहे हैं। मैं राजस्थान रॉयल्स को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने पिछले तीन-चार महीनों में उसका खेल निखारने पर बहुत काम किया।''

उन्होंने कहा, ''मैं वैभव के खेल में सुधार के लिए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बाकी सहयोगी स्टाफ को धन्यवाद देना चाहता हूं।

उसने खुद अपने खेल पर बहुत मेहनत की है और यह शतक उसी का परिणाम है।'''

रॉयल्स ने पिछले साल मेगा नीलामी में 1.10 करोड़ रुपये खर्च करके सूर्यवंशी को अपनी टीम से जोड़ा था जो उनके आधार मूल्य 30 लाख रुपये से लगभग चार गुना अधिक था।

डोपिंग के कारण दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन मैक्स पर्सेल पर लगा 18 महीने का बैन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दो बार के ग्रैंड स्लैम डबल्स चैंपियन मैक्स पर्सेल पर एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के चलते 18 महीने का प्रतिबंध लगाया गया है। यह मामला किसी प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का नहीं, बल्कि निषिद्ध प्रक्रिया के तहत आया है।

इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 27 वर्षीय पर्सेल ने यह स्वीकार किया कि उन्होंने अनजाने में 100 मिलीलीटर की निर्धारित सीमा से अधिक विटामिन की आईवी ड्रिप ली थी। नियमों के अनुसार 12 घंटे की अवधि में 100 मिली से अधिक का IV इन्फ्यूजन प्रतिबंधित है। पर्सेल ने बताया कि उन्होंने क्लिनिक को सूचित किया था कि वे प्रोफेशनल

एथलीट हैं और यह इन्फ्यूजन तय मात्रा से अधिक नहीं होना चाहिए, लेकिन फिर भी उन्हें दो बार 500 मिली से अधिक का इन्फ्यूजन दिया गया।

आईटीआईए के अनुसार पर्सेल ने जांच में पूरा सहयोग किया और सभी जानकारियां साझा कीं। इसी कारण उनकी सजा में 25 प्रतिशत की छूट दी गई। आईटीआईए की सीईओ कैरेन मूरहाउस ने कहा, यह मामला यह दिखाता है कि डोपिंग नियम सिर्फ प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह व्यापक दायरे को कवर करते हैं। मैक्स पर्सेल को दिसंबर, 2023 में ही अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया गया था। अब उनकी आधिकारिक सजा 11 जून, 2026 तक मानी गई है।

रैपिड वर्ग में चितंबरम संयुक्त रूप से शीर्ष पर

वारसा (पोलैंड)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चितंबरम ने दबाव में अच्छा प्रदर्शन करते हुए ग्रैंड शतरंज टूर के तहत आयोजित 'सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट' के रैपिड दौर के आखिरी गेम में फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा को हरा कर 11 अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया।

वाइल्ड कार्ड से टूर्नामेंट का टिकट हासिल करने वाले चितंबरम को फिरोजा और स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव की बराबरी करने के लिए इस मुकाबले में जीत की जरूरत थी। उन्हें भाग्य का भी साथ मिला क्योकि फ्रांस के खिलाड़ी ने थोड़ी जल्दी हार मान ली। फिरोजा के पास इस मुकाबले को बराबरी पर रोकने का मौका था।

आर प्रज्ञानानंदा ने अंतिम दो राउंड में रोमानिया के डेविड गैवरिल्सकू और डूडा पर जीत के साथ शानदार वापसी की और 10 अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे पायदान पहुंच गये। फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव नौ अंकों के साथ उनसे बहुत पीछे नहीं हैं, जो रोमानिया के डेक बोगदान डैनियल और डुडा से एक अंक आगे हैं। गवरिलस्कू दस खिलाड़ियों के टूर्नामेंट में सात अंकों के साथ नौवें स्थान पर हैं, जो पूर्व विश्व चैंपियन वेसेलिन टोपालोव से दो अंक अधिक हैं। इस टूर के पहले आयोजन में ब्लिट्ज वर्ग के 18 मुकाबले अभी बाकी है।

अरविंद ने दिन की शुरुआत डुडा पर जीत के साथ की। उन्हें इसके बाद आठवें दौर के मैच में वाचियर-लाग्रेव से हार का सामना करना पडा। इस हार से हालांकि उनका हौसला कम नहीं हुआ और उन्होंने फिरोजा पर जीत के साथ शीर्ष स्थान सुनिश्चित की। इस टूर में खिलाड़ियों को जीत के लिए दो अंक और ड्रॉ पर एक अंक मिलता है। प्रज्ञानानंदा शुरुआती छह गेम के बाद पांच अंक के साथ पिछड़ रहे थे लेकिन उन्होंने वाचियर-लाग्रेव को बराबरी पर रोकने के बाद आखिरी दो गेम को जीतकर मजबूत वापसी की।

राणा के पांच विकेट और प्रतिका के अर्धशतक से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से हराया

कोलंबो। प्रतिका रावल की अर्धशतकीय पारी के बाद स्पिनर स्नेह राणा ने एक ही ओवर में तीन विकेट चटकाकर महिला वनडे में पहली बार पांच विकेट लेने का का कारनामा किया जिससे भारत ने महिला त्रिकोणीय श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका पर 15 रन की रोमांचक जीत दर्ज की।

प्रतिका ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 91 गेंदों पर 78 रन की पारी खेली जिससे भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के पहले बल्लेबाजी करने के फैसले के बाद छह विकेट पर 276 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

'प्लेयर ऑफ द मैच' राणा ने इसके बाद पांच विकेट चटकाए जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम ताजमिन ब्रिट्स के 109 रन के बावजूद 49.2 ओवर में 261 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपने आखिरी पांच विकेट 21 रन पर गंवा दिए जिससे भारत ने टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

राणा ने 10 ओवर में 43 रन देकर पांच विकेट लिये। उन्होंने इस दौरान पारी के 48वें ओवर में तीन रन देकर तीन विकेट चटकाते हुए मैच का रूख भारत की ओर मोड़ दिया। दक्षिण अफ्रीका ने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा आक्रामक तरीके से करते हुए भारत को शुरुआत में ही बैकफुट पर धकेल दिया।

ब्रिट्स मौसम की मुश्किल परिस्थितियों में ऐंठन का सामना करने के कारण 105 गेंद पर 108 रन बनाकर रिटायर हर्ट हो गयी। उन्होंने कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट (43) के साथ पहले विकेट के लिए 140 रनों साझेदारी कर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया था।

जब ऐसा लग रहा था कि दक्षिण अफ्रीका की टीम आसानी से इस मैच को जीत जायेगी तब भारतीय स्पिनरों ने अपनी फिरकी में बल्लेबाजों को फंसाना शुरू किया। दीप्ति शर्मा (40 रन पर एक विकेट) ने वोल्वार्ड्ट को पगबाधा कर मैच के 28वें ओवर में भारत को पहली सफलता दिलायी। इसके तुरंत बाद राणा ने लॉरा गुडोल (नौ) को चलता किया।

ब्रिट्स ने इस दौरान लगातार दो चौके के साथ वनडे करियर का तीसरा शतक पूरा किया। वह हालांकि उमस वाले मौसम में ऐंठन के कारण बल्लेबाजी जारी नहीं रख सकी और उन्हें रिटायर हर्ट होना पड़ा।

तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी (59 रन पर एक विकेट) ने पदार्पण कर रही विकेटकीपर काराबो मेसो (सात) को पवेलियन की राह दिखाने में ज्यादा समय नहीं लिया। युवा वामहस्त स्पिनर श्री चारणी (51 रन पर एक विकेट) ने अनुभवी सुने लुस (28) को चलता कर भारतीय खेमे में आत्मविश्वास भर दिया।

जरूरी रन गति के नौ के करीब पहुंचने के बाद क्लो ट्रायोन (18) और एनेरी डर्कसेन (30) ने तेजी रन बनाते हुए गेंदबाजों को परेशान करना शुरू किया था कि राणा ने दोनों का विकेट झटकने के बाद नाडिने डिक्लर्क (शून्य) और फिर से बल्लेबाजी के लिए आयी ब्रिट्स को आउट कर यादगार पांच विकेट पूरे किए।

इससे पहले प्रतिका ने 91 गेंदों पर 78 रन की पारी खेली जबकि स्मृति मंधाना (36), जेमिमा रोड्रिग्स (41), कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 41), हरलीन देओल (29) और ऋचा घोष (24) ने भी उपयोगी योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए नॉनकुलुलेको म्लाबा (55 रन पर दो विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रही।

भारत ने रविवार को टूर्नामेंट के पहले मैच में श्रीलंका को हराया था। प्रतिका और मंधाना ने 18.3 ओवर में 83 रन की साझेदारी के साथ टीम को एक बार फिर ठोस शुरुआत दिलायी। प्रतिका ने इस दौरान अपनी आक्रामक पारी से मंधाना से तेजी से रन बनाए।

उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का जड़ा। मंधाना ने इस साझेदारी में सहायक की भूमिका निभाई। यह साझेदारी आखिरकार 19वें ओवर में टूट गई जब मंधाना को डर्कसेन की गेंद पर विकेटकीपर काराबो मेसो ने लेग साइड में कैच किया।

ओलंपिक पदक विजेता भाकर, कुसाले म्यूनिख विश्व कप के लिए भारतीय टीम में

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के सितारे मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले को एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन पलक के साथ आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने टीम की घोषणा की, जिसमें भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में जगह बनाने वाली एकमात्र सदस्य हैं।

राष्ट्रीय टीम में पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह की वापसी हुई है। कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे।

भारतीय राइफल और पिस्टल टीम हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप से लौटी है। टीम ने इसमें कुल छह स्वर्ण सहित 15 पदक जीते थे। भारतीय टीम अर्जेंटीना में दूसरे जबकि पेरू में तीसरे स्थान पर थी।

उस टीम के कुल 13 सदस्य म्यूनिख जाने वाली टीम में भी हैं। इसमें महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिताओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है। म्यूनिख के लिए चुनी गयी टीम में तीन नए खिलाड़ी भी होंगे। महाराष्ट्र की राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू को घरेलू सर्किट में अपने शानदार प्रदर्शन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी रखने का मौका दिया गया है। पुरुष वर्ग में एयर पिस्टल में दो नये निशानेबाजों को मौका दिया गया है। इसमें हाल ही में कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक टूर्नामेंट में मिश्रित टीम का खिताब जीतने वाली जोड़ी का हिस्सा रहे हरियाणा के आदित्य मालरा और सेना के निशानेबाज निशांत रावत का नाम शामिल है।

'जाट' का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब पहुंची केसरी चैप्टर 2

अक्षय कुमार- अनन्या पांडे और आर माधवन स्टारर फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' की शुरुआत भले ही धीमी हुई हो, लेकिन अब ये फिल्म वर्किंग डेज पर भी गजब का बिजनेस कर रही है। इंडिया से ज्यादा तेज रफ्तार से खिलाड़ी कुमार की फिल्म वर्ल्डवाइड दौड़ रही है। पहले दिन 14 करोड़ का बिजनेस करने वाली इस मूवी ने महज 10 दिनों में ही दुनियाभर में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था। अक्षय कुमार की केसरी 2 ने सनी देओल की जाट से भी तेज रफ्तार में वर्ल्डवाइड 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। अब ये फिल्म जाट के दो बड़े रिकॉर्ड तोड़ने के बेहद करीब पहुंच चुकी है। कौन से हैं वह दो रिकॉर्ड, जाट का विदेशों में रिकॉर्ड तोड़ने से बस इतनी पीछे केसरी 2 जाट और केसरी 2 की रिलीज में महज आठ दिन का डिफरेंस है। सनी देओल की फिल्म जहां 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में आई, वहीं केसरी 2 ने 18 अप्रैल को थिएटर में दस्तक दी। हालांकि, इसके बावजूद भी अक्षय कुमार की मूवी सनी देओल का इंडिया और वर्ल्डवाइड दोनों ही रिकॉर्ड तोड़कर ही मानेगी। इस फिल्म ने सोमवार को वर्ल्डवाइड कितनी कमाई की, चलिए देख लेते हैं। केसरी 2 सिर्फ जाट की कमाई का रिकॉर्ड विदेशों में ही नहीं तोड़ेगी, बल्कि इंडिया के नेट कलेक्शन में भी ये सनी देओल की फिल्म का खात्मा करने के बेहद करीब है। इंडिया में केसरी चैप्टर 2 को जाट का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए अभी 17 करोड़ का बिजनेस करना है। हालांकि, वर्ल्डवाइड तो जाट को पीछे छोड़ना केसरी 2 के लिए संभव है, लेकिन इंडिया में ये थोड़ा मुश्किल है।

संजय दत्त की भूतनी मूवी में दिखेंगी मौनी रॉय

मौनी रॉय ने टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय किया और कामयाबी हासिल की। क्योंकि सास भी कभी बहू थी से उन्होंने करियर शुरू किया था और नागिन बनकर घर-घर में पहचान हासिल की। बॉलीवुड में भी उन्होंने गोल्ड और ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्मों से नाम कमाया। जल्द ही मौनी रॉय भूतनी मूवी में नजर आने वाली हैं। फिल्म की रिलीज के बीच उन्होंने अपने साथ हुए एक डरावने अनुभव को शेयर किया है। उन्होंने होटल रूम की एक ऐसी कहानी बताई है जो शायद किसी के भी रोंगटे उड़ा दे। उन्होंने बताया कि कैसे एक होटल के कमरे में एक अजनबी शख्स घुसने की कोशिश कर रहा था। उसके रूम की चाब भी मिल गई थी।

मौनी के कमरे की चाबी हो गई थी चोरी

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में मौनी रॉय ने बताया, ₹मैं एक छोटे शहर में थी, मुझे ठीक से याद नहीं है कि कौन सा शहर था, लेकिन वहां किसी ने वाकई चाबी चुरा ली और मेरे कमरे को खोलने की कोशिश की। शुक्र है कि मैं अकेली नहीं थी। मैं अपनी मैनेजर के साथ थी। जब हमें एहसास हुआ कि क्या हो रहा है तो हम चिल्लाने लगे। मौनी रॉय ने आगे कहा, ₹फिर हमने रिसेप्शनिस्ट को फोन करने की कोशिश की। उन्होंने सहजता से कहा कि यह हाउसकीपिंग का काम होगा। मैंने उनसे पूछा, 'हाउसकीपिंग में कौन बिना खटखटाए, बिना घंटी बजाए, दरवाजा खोलने आता है, और वह भी रात के 12:30 बजे?'₹ इसके बाद उन्होंने होटल के स्टाफ को उनके रवैये के लिए खूब खरी-खोटी सुनाई। मौनी रॉय ने ब्रह्मास्त्र में राक्षसी का किरदार निभाया था। अब वह बड़े पर्दे पर भूतनी बनकर दर्शकों को डराने आ रही हैं। वह द भूतनी में नजर आएंगी जो 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

सलमान खान ने पनवेल फार्महाउस में रखी मीटिंग

पहलगाम की वजह से सलमान खान ने पोस्टपोन किया टूर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बॉलीवुड सितारों ने इसकी निंदा की। जिस बेरहमी से आतंकवादियों के हाथों निर्दोषों को मारा गया, उनके लिए सलमान खान से लेकर शाह रुख खान सहित बड़े-बड़े स्टार्स ने न्याय की गुहार लगाई। कई सितारों ने तो अपने कई लाइव टूर भी कैंसिल कर दिए। पहले अरिजीत सिंह ने चेन्नई का टूर कैंसिल किया, उसके बाद श्रेया घोषाल ने भी अपना लाइव सिंगिंग टूर रद्द कर दिया। इन दोनों के बाद सलमान खान ने भी बीते दिन बताया कि उनका यूके में होने वाला अगले महीने का टूर वह पहलगाम में हुए हमले के लिए बाद वह अपना टूर पोस्टपोन कर रहे हैं।

टीम के साथ अब कब यूके टूर पर निकलेंगे सलमान खान?

सिकंदर एक्टर के साथ उनके इंटरनेशनल टूर पर माधुरी दीक्षित और कृति सेनन जैसे सितारे भी जाने वाले थे। अब इसी सिलसिले में सलमान खान ने पनवेल के फार्महाउस पर एक मीटिंग का आयोजन करके बड़ा फैसला लिया है। हमारी सहयोगी वेबसाइट मिड डे की एक खबर के मुताबिक, सलमान ने भाई सोहेल खान और इस टूर के ऑर्गेनाइजर जॉर्डी पटेल और फरहान हुसैन के साथ मिलकर अपने यूके टूर को कब री-शेड्यूल करना है, इसका फैसला ले लिया है। इनसाइडर के मुताबिक, टूर की टिकट बिकने के साथ ही इसकी रिहर्सल भी सितारों ने शुरू कर दी थी। हालांकि, कश्मीर में हुई ट्रेजेडी के कारण सलमान खान ने इसे आगे बढ़ाने का फैसला लिया था। सलमान खान का ये टूर को-ऑप लाइव एरिना मैंचेस्टर और वेम्बली इन ओवो एरिना में होने वाला था। रिपोर्ट्स की मानें तो, फिलहाल टिकट होल्डर ने इस शो के दर्शकों का रिफंड जारी कर दिया है। अब ये टूर अगस्त में होगा, लेकिन अभी तक इसकी डेट डिसाइड नहीं हुई है। हालांकि, सलमान खान ने इस पर अभी तक फाइनल फैसला नहीं लिया है।

फिर वकालत करते नजर आएंगे पंकज त्रिपाठी

लंबे इंतजार के बाद पंकज त्रिपाठी की पॉपुलर कोर्टरूम ड्रामा सीरीज क्रिमिनल जस्टिस का चौथा सीजन आखिरकार दस्तक देने को तैयार है। मेकर्स ने इसका दमदार टीजर रिलीज कर दिया है, जिसने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। क्रिमिनल जस्टिस: अ फैमिली मैटर नाम से आ रहे इस नए सीजन में एक बार फिर पंकज त्रिपाठी अपने चहेते किरदार 'माधव मिश्रा' के रूप में नजर आएंगे। ये सीजन 22 मई से JioHotstar पर स्ट्रीम किया जाएगा। टीजर की शुरुआत सुरवीन चावला के किरदार से होती है, जो मदद के लिए माधव मिश्रा का दरवाजा खटखटाती है और कहती हैं, "मुझे एक वकील चाहिए।" इसके जवाब में माधव मिश्रा मुस्कराते हुए कहते हैं, "अगर मामला आसान होता, तो मेरे पास नहीं आता।" यहीं से कहानी में ट्विस्ट शुरू होता है। साथ ही, मोहम्मद जीशान अय्यूब की झलक भी टीजर में देखने को मिलती है। इस बार मामला एक फैमिली से जुड़ा है, जिसमें प्यार, धोखा और मर्डर की कहानी एक साथ बुनी गई है। माधव मिश्रा इस उलझे हुए केस को कैसे सुलझाते हैं, यही इस सीजन की सबसे बड़ी दिलचस्पी है। टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फैन्स का रिएक्शन देखने लायक था। किसी ने कहा, "अभी कल ही सोचा था कि अगला सीजन कब आएगा, और लो टीजर आ गया!", तो किसी ने लिखा, "अब मजा आएगा!" माधव मिश्रा की मासूमियत भरी चतुराई और केस सुलझाने के अंदाज को फिर से देखने के लिए दर्शक एक्साइटेड हैं।

Criminal Justice 4 फिर खोलेगा कई राज

क्राइम, सस्पेंस और झकझोर देने वाला केस

वॉर 2 के बाद NTR का अगला ब्लास्ट

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और 'KGF' फेम डायरेक्टर प्रशांत नील की मोस्ट अवेटेड फिल्म NTRNeel पर काफी समय से दर्शकों की नजरें टिकी हुई हैं। ऑडियंस जानना चाह रही थी कि मूवी को कब तक थिएटर्स में उतारा जाने वाला है। अब मेकर्स ने फैंस को बड़ा सरप्राइज दे दिया है। मेकर्स ने इस एक्शन से भरपूर फिल्म को 25 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज करने की घोषणा कर दी है। इस फिल्म को माइथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है। अभी फिल्म का टाइटल फाइनल नहीं है, लेकिन इसकी चर्चा पहले ही हर तरफ छा चुकी है। भले ही फिल्म की कहानी को फिलहाल गुप्त रखा गया है, लेकिन प्रशांत नील की ब्रांडेड स्टोरीटेलिंग और एनटीआर की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस को देखते हुए यह प्रोजेक्ट फैंस के बीच हाई बज बना चुका है। नील की पिछली फिल्में जैसे 'सालारः पार्ट 1' और 'KGF' ने जिस तरह दर्शकों के बीच तहलका मचाया, उससे उम्मीदें और बढ़ गई हैं। एनटीआर हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'देवाराः पार्ट 1के जरिए धमाकेदार वापसी कर चुके हैं।

पद्म श्री से सम्मान से सम्मानित हुए पंडित रोनू मजूमदार

प्रसिद्ध बांसुरी वादक पंडित रोनू मजूमदार को भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया। यह सम्मान माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा 28 अप्रैल, सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में प्रदान किया गया। पंडित रोनू मजूमदार ने यह पुरस्कार सम्पूर्ण भारत, अपने माता-पिता और गुरुओं को समर्पित किया। इस महत्वपूर्ण क्षण पर पद्म श्री जैसा प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करना मेरे लिए अत्यंत भावुक और सुखद क्षण है। मैं यह सम्मान समस्त भारतवर्ष को, उन सभी लोगों को जो संगीत की साधना करते हैं और जो इससे जुड़ने का सपना देखते हैं, को समर्पित करता हूं। मेरी माता, जिनकी आंखों में इस सम्मान की खबर सुनकर आंसू थे – यह सम्मान मैं अपनी मां के चरणों में अर्पित करता हूं। साथ ही, मैं यह सम्मान अपने गुरु भारत रत्न रवि शंकर जी, मेरे गुरु पंडित विजय राघव राव, और मेरे प्रथम गुरु एवं पिता, भानु मजूमदार जी,₹को समर्पित करता हूं ऐसे पुरस्कार प्राप्ति के बाद पंडित रोनू मजूमदार ने कहा। उन्होंने आगे कहा, मैं भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित भाई शाह का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मेरे जीवन के 50 वर्षों के समर्पण को इस क्षेत्र में पहचान दी। मैंने यह उपलब्धि किसी उत्सव के रूप में नहीं मनाई क्योंकि पहलगाम की दुखद घटना ने हम सभी को गहरा शोक पहुंचाया है।

शाह रुख खान करेंगे पहली हॉलीवुड मूवी

भारतीय सिनेमा पर राज करने वाले कई सितारे हॉलीवुड गए और वहां हिट फिल्मों में काम किया। इरफान पठान से लेकर अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा, अनिल कपूर और नसीरुद्दीन शाह समेत तमाम सितारों ने हॉलीवुड फिल्मों में काम किया। मगर बॉलीवुड के बादशाह कहे जाने वाले शाह रुख खान ने कभी हॉलीवुड मूवीज नहीं कीं। कहा जाता है कि शाह रुख को कई बार हॉलीवुड से बुलावा आया, लेकिन उन्होंने बॉलीवुड में ही काम किया। मगर अब लगता है कि उन्होंने अपना मन बदल लिया है। अब वह अपने स्टारडम का दायरा बढ़ाने जा रहे हैं। वह जल्द ही हॉलीवुड मूवी में काम कर सकते हैं और पहली बार बड़े पर्दे पर सुपरहीरो के अवतार में दिख सकते हैं। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की फिल्में भारत में बहुत पसंद की जाती हैं। एवेंजर्स हो या फिर कैप्टन अमेरिका, मार्वल फिल्मों की भारत में तगड़ी फैन-फॉलोइंग है। अब इस यूनिवर्स में शाह रुख खान की भी एंट्री होने जा रही है। मार्वल लीक नाम के एक सोशल मीडिया पेज के मुताबिक, शाह रुख मार्वल स्टूडियो की एक फिल्म में काम कर सकते हैं। पोस्ट के मुताबिक, शाह रुख खान कथित तौर पर मार्वल स्टूडियो के साथ आगामी प्रोजेक्ट के लिए बातचीत कर रहे हैं। यह अभी शुरुआती फेज है। इस पोस्ट के साथ यह भी बताया गया है कि यह आगामी फिल्म एवेंजर्स डूम्सडे नहीं है। मार्वल स्टूडियो सुपरहीरो बेस्ड मूवीज बनाने के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर यह खबर सच हुई तो बड़े पर्दे पर शाह रुख खान सुपरहीरो के रूप में नजर आ सकते हैं। फिलहाल, अभी तक एक्टर या मेकर्स की तरफ से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

बॉलीवुड वाइफ बनेगी फातिमा सना

अभिनेत्री फातिमा सना शेख इन दिनों खासी व्यस्त हैं। आगामी दिनों में वह अनुराग बसु निर्देशित एंथोलॉजी फिल्म 'मेट्रो' इन दिनों फैशन डिजाइनर से निर्माता बने मनीष मल्होत्रा की पहली प्रोडक्शन फिल्म गुस्ताख इश्क और नेटफ्लिक्स इंडिया की रोमांटिक कामेडी आप जैसा कोई में नजर आएंगी।

अप्लाज एंटरटेनमेंट तले बनी वेब सीरीज 'न्याय' भी वह कर रही हैं। वहीं ताजा अपडेट यह है कि वह अब राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर की अगली फिल्म 'वाइव्स ऑफ बॉलीवुड में बॉलीवुड स्टार की पत्नी की भूमिका निभाएंगी।

फिल्म कब रिलीज होगी? मधुर फिल्म की कास्टिंग कर रहे हैं और फातिमा इस फिल्म में शामिल होने वाले पहले प्रमुख कलाकारों में से एक हैं। फिल्म की शूटिंग अगस्त से आरंभ होगी। अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।बॉलीवुड स्टार- पत्नियों की अनदेखी ग्लैमरस जिंदगी पर आधारित इस शिलर ड्रामा फिल्म की घोषणा अक्टूबर, 2024 में की गई थी। इसमें भंडारकर की चांदनी बार, पेज 3, फैशन और हीरोइन जैसी समीक्षकों द्वारा प्रशंसित और व्यावसायिक रूप से सफल फिल्मों के अनुरूप घोटाले, गपशप और सत्ता संघर्ष की झलक देखने को मिलेगी। बता दें कि बॉलीवुड स्टार पत्नियों की अनदेखी ग्लैमरस जिंदगी पर आधारित होगी मधुर भंडारकर की थ्रिलर ड्रामा फिल्म वाइव्स ऑफ बॉलीवुड।

2006 में रिलीज हुई थी कम बजट की फिल्म

भारतीय सिनेमा में हर साल हजारों फिल्में अलग-अलग भाषा में बनती हैं, लेकिन उनके बॉक्स ऑफिस हिट होने की गारंटी नहीं होती है। कुछ फिल्में भले ही पैसे कमा पाने में असफल होती हैं, लेकिन उनकी कहानी का असर बाद में दिखता है। एक ऐसी ही फिल्म 2006 में रिलीज हुई थी जो हिट न होकर भी दर्शकों का दिल जीत ले गई थी।

यह फिल्म साल 2006 में बड़े पर्दे पर आई मूवी डोर थी। टार्जन द वंडर कार से मशहूर हुईं आयशा टाकिया, गुल पनाग, श्रेयस तलपड़े, गिरीश कर्नाड और नागेश कुकुनूर ने फिल्म में अहम भूमिका निभाई थी। नागेश ने ही फिल्म का निर्देशन भी किया था। यह फिल्म मलयालम फिल्म पेरुमैहैक्कलम की ऑफिशियल हिंदी रीमेक है। डोर प्यार, दोस्ती और आजादी की कहानी है। यह महिलाओं की कहानी है जो अलग-अलग बैकग्राउंड से आती हैं, लेकिन उनकी राहें एक रोज आपस में टकरा जाती हैं। मीरा (आयशा टाकिया) जो राजस्थान में रहती है और अपने पति शंकर के साथ एक हैप्पी मैरिड लाइफ एन्जॉय कर रही होती है कि तभी उसके पति की मौत हो जाती है और उसकी हंसी खुशी जिंदगी एक कमरे में कैद होकर रह जाती है।तलाक के बाद मीरा परंपराओं में फंस कर रह जाती है। हंसना गुनाह और आजादी सिर्फ एक सपना लगता है। तभी जीनत उसकी जिंदगी में एक उम्मीद की किरण बनकर आती है। जीनत के पति पर मीरा के पति की हत्या का आरोप है। अपने पति को बचाने के लिए जीनत (गुल पनाग) हिमाचल प्रदेश से राजस्थान मीरा को ढूंढते हुए आती है और उसे एक बहूरुपिया (श्रेयस तलपड़े) मिलता है जो उसकी मदद करता है। आगे क्या होता है, इसके लिए आपको फिल्म देखनी चाहिए। कहा जाता है कि फिल्म को बनाने में 3 करोड़ रुपये का बजट लगा था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना बजट भी वसूल नहीं कर पाई थी। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, डोर ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 2.70 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। आयशा टाकिया स्टारर फिल्म डोर को क्रिटिक्स की तरफ से खूब सराहा गया था। इस फिल्म को IMDb ने 7.9 रेटिंग दी है। अगर आप इस फिल्म को देखना चाहते हैं तो यह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मौजूद है। यह सोनीलिव पर मौजूद है। साथ ही यह यूट्यूब पर भी है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो. 9456884327 E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।